दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस का प्रचार कर रहे इस्लामिक देशों के 5,000 सोशल मीडिया अकाउंट : हिमंत

6 योग-क्रांति से नए मानव एवं नए विश्व की संरचना संभव

7 श्रुति हासन में 'टैलेंट पिता से, लेकिन पहचान खुद के दम पर बनाई'

फर्स्ट टेक

बीएसएनएल ने 5जी फिक्स्ड वायरलेस सेवा में कदम रखा

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने घरों में ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए 5जी फिक्स्ड वायरलेस सेवा में प्रवेश किया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बीएसएनएल ने इसकी शुरुआत हैदराबाद से की है। वर्तमान में, रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने 5जी स्पेक्ट्रम का उपयोग करके 5जी फिक्स्ड वायरलेस सेवा (एफडब्ल्यूए) प्रदान कर रहे हैं। बीएसएनएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) ए रॉबर्ट जे रवि ने कहा, क्वांटम 5जी एफडब्ल्यूए दर्शाता है कि भारतीय इंजीनियर किस तरह विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी तैयार कर सकते हैं। यह बीएसएनएल के लिए पहला सिम-रहित, 100 प्रतिशत घरेलू अनुकूलित 5जी एफडब्ल्यूए है। आज केवल एक शुरुआत है। इसके बाद कई और शहरों में शुरू किया जाएगा। यह सेवा 18 जून को शुरू की गई थी।

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन ने की त्रिपक्षीय बैठक

बीजिंग/भाषा। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने अपने विदेश मंत्रालयों के अधिकारियों की उद्घाटन त्रिपक्षीय बैठक में अच्छे पड़ोसी, समानता और आपसी विश्वास के सिद्धांतों के आधार पर सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रूहुल आलम सिद्दिकी और पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव इमरान अहमद सिद्दिकी ने चीन के दक्षिणी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग में आयोजित बैठक में भाग लिया। शुक्रवार को चीन के विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि बृहस्पतिवार को पाकिस्तानी विदेश सचिव आमना बलूच ने वीडियो लिंक के माध्यम से बैठक के पहले चरण में भाग लिया।

रूस ने यूक्रेन के दो शहरों पर ड्रोन हमले किए

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन के दो शहरों पर ड्रोन हमले किये, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रूस ने रात में ड्रोन से हमले किये, जिसमें दक्षिणी यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा और उत्तरपूर्वी शहर खारकीव को निशाना बनाया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि 20 से अधिक ड्रोन हमलों में 17 और 12 वर्ष की दो लड़कियों सहित कम से कम 24 नागरिक घायल हो गए। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर अपने संदेश में लिखा, ''यह हमला दुनिया को यह दिखाता है कि कि रूस युद्धविराम को स्वीकार नहीं करता और हत्या का विकल्प चुनता है।''

कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए आदिवासियों का इस्तेमाल किया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसने जानबूझकर आदिवासी समुदायों का पूर्ण विकास नहीं होने दिया तथा राजनीतिक लाभ के लिए उनके क्षेत्रों को ''लाल गलियारा'' के रूप में पेश करती रही।

ओडिशा की भाजपा सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भाजपा ने लोगों की लंबे समय से प्रतीक्षित मांगों को पूरा करते हुए पुरी जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार और इसके 'रत्न भंडार' (कोषागार) को फिर से खोल दिया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''जिस पार्टी ने दशकों तक भारत पर शासन किया, उसने आदिवासी समुदाय की उपेक्षा की और उनका केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया।'' मोदी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के दौरान आदिवासी बहुल क्षेत्रों को ''जानबूझकर पिछड़ा रखा गया।'' मोदी ने कहा, ''देश में 125 से ज्यादा आदिवासी बहुल जिले वर्षों तक माओवादियों से प्रभावित रहे हैं। इन इलाकों को 'लाल गलियारा' का नाम देकर बदनाम किया गया था। इनमें से ज्यादातर जिलों को पिछड़ा घोषित कर दिया गया था और तत्कालीन सरकारों ने इनके विकास की जिम्मेदारी नहीं ली।''

नक्सलवाद का पूरी तरह किया जाएगा सफाया : मोदी

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आदिवासी बहुल जिलों में विकास कार्यों की प्रगति और नक्सलियों के खिलाफ अभियान में सफलता के साथ नक्सलवाद को जल्दी ही पूरी तरह से समाप्त कर दिया जायेगा। मोदी ने ओडिशा में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भुवनेश्वर में आयोजित समारोह में नक्सलवादी हिंसा के सफाये के संकल्प को मोदी की गारंटी बताया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, बीते वर्षों में हमने आदिवासी समाज को हिंसा के माहौल से बाहर निकालकर, विकास के नये पथ पर ले जाने का काम किया है। भाजपा सरकार ने एक तरफ हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया, दूसरी तरफ आदिवासी क्षेत्रों में विकास की नयी गंगा बहायी। इसी का नतीजा है कि आज नक्सली हिंसा का दायरा देश में 20 से भी कम जिलों तक सिमट गया है।

ओडिशा में 18,600 करोड़ से अधिक की 105 परियोजनाएं शुरू

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा की अपनी यात्रा के दौरान 18,600 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 105 विकास परियोजनाओं की शुरुआत की, 'ओडिशा दृष्टि दस्तावेज' का अनावरण किया और नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने 'लखपति दीदी' सहित कई लोगों को सम्मानित भी किया। जून 2024 में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार बनने के बाद से छठी बार ओडिशा आए मोदी ने यहां जनता मैदान में सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में परियोजनाओं की शुरुआत की। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं में पेयजल और सिंचाई, स्वास्थ्य अवसंरचना, ग्रामीण सड़कें और पुल, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे अवसंरचना शामिल हैं।

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग दिवस के लिए देश तैयार

विशाखापत्तनम में योग करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश और दुनिया भर में कल पूरे मनोयोग के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जायेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सामूहिक योग कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए तीन लाख से अधिक लोगों के साथ योगासन करेंगे।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी शामिल होंगे।

विशाखापत्तनम में आयोजित इस कार्यक्रम में 'योग संगम' पहल के तहत देश भर में 10 लाख से अधिक स्थानों के साथ समन्व्य किया जायेगा।

यह कार्यक्रम सुबह साढे छह बजे शुरू होगा और पौने आठ बजे संपन्न होगा। इसमें देश भर से अभूतपूर्व भागीदारी की उम्मीद है। देश में विभिन्न जगहों पर आयोजत सत्रों में दो करोड़ से ज़्यादा लोगों के भाग लेने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश सरकार इस अवसर को यादगार बनाने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के प्रयास का भी समन्वय कर रही है। इसके अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत प्रतिभागियों को 50 लाख से ज़्यादा योग प्रमाणपत्र दिए जाएँगे, जिससे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह संस्करण देश की स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा।

योग दिवस को देखते हुए दुनिया भर में अनेक देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और प्रतिष्ठानों में भी योग सत्रों का आयोजन किया जायेगा। इसके लिए सभी जगह जरूरी तैयारियां कर ली गयी हैं।

मानवीय मूल्यों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सागर/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भगवान् बुद्ध सहित भारतीय ऋषियों मुनियों ने धर्म के मार्ग पर चलना सिखाया है। मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों, त्याग, तपस्या, संस्कार, समन्वय, सौहार्द इन सभी मूल्यों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य है। हम इसी रास्ते से आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं। भारत का मन्त्र सदैव विश्व का कल्याण रहा है। स्वामी विवेकानंद, अंबेडकर, गांधी, फुले जैसे विचारकों की सोच के साथ हमें 21वीं सदी के भारत का निर्माण करना है।

गडकरी ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के 33वां दीक्षांत समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण किया जा सकता है। हमें फ्यूचरिस्टिक विजन के साथ प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करना है। यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी सपना है। बेस्ट टेक्नोलॉजी हमारे देश में विकसित हो, दुनिया में जो कुछ अच्छा है वो भारत में भी हो, यही हमारा प्रयास है। उन्होंने सीएनजी, बायोफ्यूल, इथेनोल, ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे नवाचारी प्रयोगों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

गडकरी ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण अवसर होता है। सागर विश्विद्यालय के विद्यार्थी भाग्यशाली हैं जिन्हें डॉ. गौर द्वारा दान की गई संपत्ति से बने विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का मौका मिला। उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सदैव बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति ज्ञानवान बनता है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि यह इक्कीसवीं सदी का भारत है। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनोमी बनने जा रहे हैं। भारत 2047 तक सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगा। यही नया भारत है।

कक्षा 'घोटाला' :

ईडी ने 300 से अधिक पासबुक और दिल्ली सरकार की फाइलें जब्त कीं

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि मजदूरों के नाम पर खोले गए बैंक खातों (म्यूल) से जुड़ी 300 से अधिक पासबुक जब्त की गई हैं, जिनके जरिए पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान कक्षा निर्माण 'घोटाले' से प्राप्त राशि की 'हेराफेरी' की गयी थी। जांच एजेंसी ने इस मामले के सिलसिले में 18 जून को दिल्ली में 37 स्थानों पर तलाशी ली थी। आम आदमी पार्टी (आप) ने ईडी की कार्रवाई को जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास बताते हुए कहा था कि उसके नेताओं के खिलाफ आरोप 'राजनीति से प्रेरित' हैं। धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला, दिल्ली की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा (एसीबी) द्वारा 30 अप्रैल को आप नेताओं और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मंत्रिमंडल के पूर्व मंत्रियों - मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है।

ऑपरेशन सिंदूर सबूत है कि

नया भारत अब आतंकवाद का शिकार नहीं होगा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधमपुर/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इस बात का सबूत है कि नया भारत दृढ़ निश्चयी है और अब आतंकवाद का शिकार नहीं होगा। सिंह शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर उधमपुर पहुंचे। वह शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और उधमपुर छावनी में सशस्त्र बलों के जवानों से बातचीत करेंगे।

सिंह ने यहां उत्तरी कमान मुख्यालय में सैनिकों से बातचीत करते हुए कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर इस बात का सबूत है कि नया भारत दृढ़ निश्चयी है और अब आतंकवाद का शिकार नहीं होगा। यह ताकत और रणनीति के साथ जवाब देगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और अगर उसकी एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाया गया तो इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह बस एक विराम है। मैं अपने पड़ोसी देश को यह बताना चाहता हूं।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के प्रति भारत की नीति में बदलाव देश के सैनिकों की अद्वितीय वीरता और समर्पण का परिणाम है। इस अवसर पर उनके साथ सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, उत्तरी कमान के जीओसी-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सिंह ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने में सशस्त्र बलों और खुफिया एजेंसियों की सटीकता, समन्वय और साहस की सराहना की और कहा कि आतंकवाद के प्रति भारत की नीति में बदलाव उनकी अद्वितीय वीरता और समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को महज एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि सीमा पार के आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के लिए एक चेतावनी बताया।

21-06-2025 सूर्यास्त 6:48 बजे | 22-06-2025 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
82,408.17	25,112.40
(+1,046.30)	(+319.15)

सोना	चांदी
10,441 रु.	109,016 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लीक लिखी

सबकुछ तो है खुला देश में,
नकल, परीक्षा, भ्रष्टाचार।
टाइट केवल आज दिख रहा,
खुली सोच या फिर बाजार।
धर्म सियासत सभी लीक पर,
लीक सनातन सा व्यवहार।
लीक छोड़ अब तीनों चलते,
नेता, बाबा या बेकार।।

इजराइल, ईरान ने फिर हमले किए, संघर्षविराम के प्रयास शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के एक सप्ताह बाद शुक्रवार को भी दोनों देशों के एक-दूसरे पर हमले जारी हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ओर युद्ध में सैन्य भागीदारी पर विचार कर रहे हैं जबकि दूसरी ओर संघर्ष रोकने के लिए नए कूटनीतिक प्रयास शुरू होते दिख रहे हैं।

ट्रंप कर रहे हैं विचार

ट्रंप इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या ईरान के फोर्डो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र पर हमला किया जाए जो एक पहाड़ के नीचे स्थित है। इसे व्यापक रूप से पहुंच से बाहर बताया जाता है लेकिन अमेरिका के 'बंकर बस्टर' बम उसे नष्ट कर सकते हैं।

ट्रंप ने कहा कि वह अगले दो सप्ताह के भीतर यह निर्णय लेंगे कि ईरान पर हमला करना है या नहीं। उन्हें अब भी इस बात की 'पर्याप्त' संभावना दिखती है कि वार्ता के माध्यम से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका और इजराइल की मांगें पूरी हो सकती हैं।

- इजराइल शुक्रवार सुबह ईरान में हवाई हमले किए, जिसमें 60 से अधिक विमानों ने मिसाइलों के निर्माण से जुड़े औद्योगिक स्थलों को निशाना बनाया।
- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर कहा कि उनका देश तब तक ''किसी के साथ बातचीत नहीं करना चाहता'' जब तक कि इजराइल के हमले जारी रहेंगे।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अपने समकक्षों तथा यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक के साथ बैठक के लिए जिनेवा जा रहे हैं।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की और ऐसे समझौते की संभावना पर चर्चा की जिससे संघर्ष कम हो सकता है।

जिनेवा के लिए उड़ान भरने से पहले अराघची ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर कहा कि उनका देश तब तक ''किसी के साथ बातचीत नहीं करना चाहता'' जब तक कि इजराइल के हमले जारी रहेंगे। उन्होंने अमेरिका पर इजराइल का साथी और सहयोगी होने का भी आरोप लगाया और कहा कि ट्रंप ईरान पर हमलों के बारे में बात करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट और साक्षात्कारों में नियमित रूप से हम शब्द का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को अपनी टिप्पणियों में कहा, ''अमेरिकी लोग ही बातचीत चाहते हैं।'' इन टिप्पणियों का प्रसारण शुक्रवार को किया गया।

अराघची ने कहा, ''उन्होंने कई बार संदेश भेजे हैं, बहुत गंभीर संदेश.. लेकिन हमने उन्हें स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जब तक यह आक्रामकता और हमला जारी रहेगा, बातचीत या कूटनीति के लिए बिल्कुल भी जगह नहीं है। हम उचित तरीके से आत्मरक्षा कर रहे हैं और यह रक्षा किसी भी परिस्थिति में नहीं रुकेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्विट्जरलैंड वार्ता केवल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ही केंद्रित रहेगी तथा ईरान की मिसाइल क्षमताएं ''देश की रक्षा के लिए'' हैं तथा इस पर चर्चा की गुंजाइश नहीं है।

ईरान ने 1,000 भारतीयों को निकालने के लिए हवाई क्षेत्र प्रतिबंध हटाया

नई दिल्ली/भाषा। ईरान ने एक खास कदम उठाते हुए ईरानी शहर मशहद से लगभग 1,000 भारतीय नागरिकों, जिनमें अधिकतर छात्र हैं, को निकालने के वास्ते तीन विशेष उड़ानों के लिए हवाई क्षेत्र प्रतिबंध हटा दिए हैं। ईरानी दूतावास में मिशन के उप प्रमुख मोहम्मद जावेद हुसैनी ने कहा कि यदि आवश्यकता हुई तो भारतीयों को वापस लाने के लिए आने वाले दिनों में और अधिक निकासी उड़ानें संचालित की जा सकती हैं। ईरान की राजधानी पर इजराइली हमलों के बाद भारतीय नागरिकों को तेहरान से मशहद शहर ले जाया गया। निकासी उड़ानों का संचालन ईरानी एयरलाइन द्वारा किया जाएगा, जिसका प्रबंध भारत कर रहा है। ईरान-इजराइल के बीच संघर्ष से उत्पन्न अनिश्चित सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर भारत ने ईरान और इजराइल से अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए बुधवार को 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू किया। हुसैनी ने प्रेसवार्ता में कहा, ''हम भारतीयों को अपना ही मानते हैं। ईरान का हवाई क्षेत्र बंद है, लेकिन इस मुद्दे के कारण हम भारतीय नागरिकों के सुरक्षित आवागमन के लिए इसे खोलने की व्यवस्था कर रहे हैं।'' हुसैनी ने कहा, ''तेहरान से कौम और फिर मशहद में स्थानांतरित किए गए लगभग 1,000 भारतीयों को तीन विशेष उड़ानों के जरिए नई दिल्ली लाया जाएगा।''

एडीबी, विश्व बैंक बांग्लादेश को 1.5 अरब डॉलर का कर्ज देंगे

ढाका/भाषा। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक ने बांग्लादेश को अपने बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और अन्य परियोजनाओं में मदद के लिए 1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। शुक्रवार को मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। समाचार पत्र 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, एडीबी ने 90 करोड़ डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है, जिसमें से 50 करोड़ डॉलर देश के बैंकिंग क्षेत्र में सुधार लाने और उसे मजबूत बनाने के प्रयासों का समर्थन करेंगे, जबकि शेष 40 करोड़ डॉलर जलवायु परिवर्तन की चुनातियों से निपटने और समावेशी विकास पहल को बढ़ावा देंगे। एडीबी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि 50 करोड़ डॉलर के नीति-आधारित ऋण का उद्देश्य बांग्लादेश की बैंकिंग प्रणाली में संचालन और परिसंपत्ति की गुणवत्ता को मजबूत करना है। इसके अलावा, एडीबी ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, समावेशी विकास कार्यक्रम (सीआरआईडीपी) के दूसरे चरण के लिए 40 करोड़ डॉलर के ऋण को भी मंजूरी दी।

देश में सहकारिता की असमान वृद्धि को एकसमान रूप देने की मंशा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश के भीतर सहकारिता क्षेत्र में वृद्धि असमान रही है और सरकार का इरादा इसे एकसमान रूप देने का है।

शाह ने 'भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड' (नैफेड) की तरफ से आयोजित एक सहकारिता सम्मेलन में कहा कि सहकारिता क्षेत्र केवल देश के पश्चिमी भागों में ही स्थिर रहा जबकि उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में यह कमजोर रहा। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद इस क्षेत्र की वृद्धि को एकसमान रूप देना है। सहकारी क्षेत्र सीमित पूंजी के साथ अधिक लाभ प्रदान करके अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है।

शाह ने कहा, हम देश में सभी स्तरों पर सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करके इसकी प्रगति करेंगे।

शाह ने कहा कि जीडीपी देश की वृद्धि का एकमात्र मापदंड नहीं है। सहकारी क्षेत्र कम पूंजी में अधिक लाभ और रोजगार के अवसर प्रदान करके वृद्धि एवं अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांति लाने का भी काम किया। उन्होंने गुजरात में डेयरी सहकारी समिति अमूल का जिक्र करते हुए कहा कि आज इसका कारोबार 80,000 करोड़ रुपए है।

शाह ने कहा, सहकारिता मंत्रालय ने देश में सहकारी इकाइयों के आंकड़े जुटाए हैं, ताकि सरकार को पता चले कि कहां कमी है और वह इस क्षेत्र के विस्तार की दिशा में कदम उठाए। उन्होंने कहा कि दो लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) बनाई जाएंगी और उन्हें बहुआयामी स्वरूप भी दिया जाएगा।

सहकारिता मंत्री ने जैविक खेती को बढ़ावा देने का उल्लेख करते हुए कहा कि बीजों की सुरक्षा और संरक्षण किया जा रहा है और बीजों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हम अगले 10 वर्षों में निर्यात, जैविक खाद्य और बीजों में इस क्षेत्र को बढ़ावा देने की योजना बना रहे हैं।

शाह ने कहा कि किसान अगर नैफेड के ऐप पर रजिस्टर करते हैं तो वे दाल, मक्का और तिलहन की बिक्री नैफेड को कर सकते हैं। लेकिन अगर बाजार भाव अधिक है तो वे सीधे उपज बेच सकते हैं।

ओडिशा में निजी विश्वविद्यालयों में 'केआईआईटी' अव्वल स्थान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में वैश्विक मान्यता प्राप्त की

भुवनेश्वर। केआईआईटी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने हाल ही में जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में ओडिशा के सभी निजी विश्वविद्यालयों में नंबर 1 स्थान प्राप्त करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसे भारत के प्रमुख निजी उच्च शिक्षा संस्थानों में 9वां स्थान भी मिला है और इसने प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग में अपनी शुरुआत करते हुए सम्मानजनक वैश्विक रैंक अर्जित की है। अपनी पहली भागीदारी में ही, केआईआईटी न केवल अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक मंच पर एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरा है, बल्कि क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में दक्षिण एशिया में 55वां स्थान भी हासिल किया है। यह उपलब्धि वैश्विक उच्च शिक्षा परिदृश्य में केआईआईटी के तेजी से बढ़ते कदमों और शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और अंतर्राष्ट्रीयकरण में उत्कृष्टता के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 ने अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, संकाय- विद्यार्थी अनुपात, प्रति संकाय उद्धरण, अंतर्राष्ट्रीय संकाय और विद्यार्थी अनुपात, अनुसंधान नेटवर्क, रोजगार परिणाम और स्थिरता जैसे कठोर मापदंडों के आधार पर दुनिया भर के 1,500 से अधिक शीर्ष विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन किया। उपलब्धि पर केआईआईटी व केआईआईएस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने कहा, यह मान्यता अकादमिक उत्कृष्टता, सामाजिक प्रतिबद्धता और वैश्विक जुड़ाव के प्रति हमारे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा : नाथूला मार्ग से पहला जत्था रवाना

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के नाथूला दर्रे से कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 33 तीर्थयात्रियों और दो समन्वय अधिकारियों का पहला जत्था शुक्रवार को रवाना हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वी सिक्किम में भारत-चीन सीमा पर आयोजित एक समारोह में राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने यात्रा को हरी झंडी दिखाई। यह कार्यक्रम विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था। राज्य सरकार और सिक्किम की जनता की ओर से पर्यटन और नागरिक उड्डयन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सीएस राव ने तीर्थयात्रियों का स्वागत किया।

राव ने बताया कि पहले जत्थे में 33 तीर्थयात्री और दो समन्वय अधिकारी शामिल हैं। इन दो अधिकारियों में एक विदेश मंत्रालय से और दूसरा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) से हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और यात्रा के सुचारू संचालन के लिए राज्य सरकार ने संबंधित विभागों और अर्धसैनिक बलों के साथ समन्वय कर सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में, छह वर्ष बाद यात्रा फिर शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों से संभव हो पाया है। इस वर्ष 750 भारतीय तीर्थयात्रियों का कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए चयन किया गया है, जिनमें से 500 तीर्थयात्री 10 समूहों में नाथूला दर्रे से और 250 श्रद्धालु लिपुलेख दर्रे (उत्तराखंड) से यात्रा करेंगे।

एमवीए घटक दल निकाय चुनाव साथ लड़ने पर विचार करेंगे : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) में शामिल दल महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनाव एक साथ लड़ने पर विचार करेंगे। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य भी जताया कि बारामती में उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार की अध्यक्षता वाला पुणे जिला केंद्रीय सहकारी (पीडीसीसी) बैंक, शहर में 22 जून को होने वाले मालेगांव सहकारी चीनी मिल के चुनाव से पहले बुधवार को मध्यरात्रि तक खुला पाया गया।

पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा कि चूंकि उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया है कि राज्य में नगर निगम चुनाव कराए जाएं, इसलिए प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने कहा, हालांकि हमने अब तक कांग्रेस के साथ चर्चा नहीं की है, लेकिन हमारी पार्टी, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा), शेतकरी कामगार पक्ष और अन्य दल एक साथ आएंगे और एक साथ चुनाव लड़ने की संभावना तलाशेंगे। इसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। हम एक साथ चुनाव लड़ना चाहते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या एमवीए मुंबई में निकाय चुनाव संयुक्त रूप से लड़ेगा, तो उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हमारे सहयोगी दल उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) का मुंबई में मजबूत आधार है, और उनकी राय पर विचार किया जाएगा। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को कुछ वर्ष पहले प्रशासक के शासन के अधीन कर दिया गया था। इससे पहले दो दशक तक बीएमसी पर बाल ठाकरे द्वारा स्थापित अविभाजित शिवसेना का शासन था।

पिछले साल के विधानसभा चुनावों में एमवीए राज्य की 288 सीटों में से केवल 46 सीटें जीत सका था, ऐसे में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भी काफी प्रतिस्पर्धा होने की उम्मीद है। मालेगांव सहकारी चीनी मिल के चुनाव से पहले बुधवार को बारामती में पीडीसीसी बैंक के आधी रात तक खुले रहने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि लोकसभा चुनावों के दौरान भी बैंक देर रात तक खुला पाया गया था। उन्होंने कहा, यह दूसरी बार हो रहा है। बैंक तब तक खुला नहीं रह सकता जब तक कि इसे नियंत्रित करने वालों से निर्देश न हों। चीनी मिल के 21 सदस्यीय निदेशक मंडल के लिए मैदान में उतरे 90 उम्मीदवारों में अजित पवार भी शामिल हैं। राकांपा (एसपी) भी इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रही है। महाराष्ट्र में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने के सवाल पर पवार ने कहा कि इसे अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इसे वैकल्पिक ही रहना चाहिए। जो लोग हिंदी चुनना चाहते हैं, वे इसे चुन सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश में बारिश से कई स्थानों पर भूस्खलन, ऑरेंज अलर्ट जारी

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश के कारण शुक्रवार को कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के कुछ इलाकों में 22, 23, 25 और 26 जून को अत्यधिक भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के कारण धर्मशाला-चतरो-गगल मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है और सड़क को दोबारा चालू करने का काम जारी है। पंडोह के शहीद इंदर सिंह मिडिल स्कूल में जलभराव की खबरें भी सामने आई हैं, जिससे छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने रविवार, सोमवार, बुधवार और बृहस्पतिवार के लिए कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' और मंगलवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। राज्य में सबसे अधिक बारिश नाहन में 84.7 मिमी दर्ज की गई, इसके बाद पंडोह में 35 मिमी, स्लैपर में 26.3 मिमी, सराहन में 20.5 मिमी, पांवटा साहिब में 19.8 मिमी, जोगिंदरनगर में 19 मिमी, पच्छाद में 17.2 मिमी, रामपुर में 15.6 मिमी और गोहर में 15 मिमी बारिश हुई।

जगन ने वाईएसआरसीपी समर्थक की ओर से लहराए 'भड़काऊ पोस्टर' का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने पलनाडु जिले के अपने हालिया दौरे के दौरान एक समर्थक द्वारा लहराए गए 'भड़काऊ पोस्टर' का बचाव किया, जिसमें कथित तौर पर विरोधियों को काटने का संकेत दिया गया था।

पोस्टर में मंदिर मेले के दौरान विरोधियों की फिल्म 'पुष्पा' की शैली में हत्या का संकेत दिया गया था। रेड्डी ने बुधवार को पलनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव में वाईएसआरसीपी के उस दिवंगत नेता के परिवार से मुलाकात की, जिन्होंने एक साल पहले तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के सत्ता में आने के बाद पुलिस और तेदेपा नेताओं के कथित उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली थी। वाईएसआरसीपी के कथित समर्थक द्वारा भड़काऊ पोस्टर लहराने की तस्वीर वायरल हो गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री के संज्ञान में यह पोस्टर तब लाया गया जब वह बृहस्पतिवार को तडेपल्ली में वाईएसआरसीपी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

बौद्धभिक्षु जामयांग ने सभी धर्मों का सम्मान करने को लेकर भारत की सराहना की

हमीरपुर (हिप्र)/भाषा। बौद्धभिक्षु जामयांग ने कहा है कि भारत एक ऐसा देश है, जो सभी धर्मों का सम्मान करता है तथा विविधता में एकता की यह भावना ही इस राष्ट्र को मजबूत और विशेष बनाती है। धर्मशाला के टोंगलेन चैरिटेबल ट्रस्ट के निदेशक जामयांग ने कहा कि भारत में सभी धर्मों के लोगों को स्वीकार किया जाता है और वे अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। जामयांग ने हमीरपुर जिले के टिप्पर गांव में कल रात आरएसएस के 21-दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम शिविर के समापन समारोह में कहा कि यही कारण है कि तिब्बती इस भूमि पर अपने धर्म और संस्कृति को सुरक्षित रख पाये हैं। उन्होंने कहा, जब मैं आपके- भारत के सशक्त और अनुशासित युवा के- सामने खड़ा हूं तो मुझे आशा और गर्व महसूस हो रहा है।

अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया की बुकिंग 20 प्रतिशत घटी, किराया 15 प्रतिशत सस्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले सप्ताह विमान दुर्घटना के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर एयर इंडिया की उड़ानों की बुकिंग में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान एयरलाइन के औसत किराए में आठ से 15 प्रतिशत की गिरावट आई है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे जाने पर कुछ भी कहने से मना कर दिया।

पिछले सप्ताह 12 जून को 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान एआई-171 अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

शहर के मेघाणीनगर क्षेत्र में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान एक मेडिकल कॉलेज परिसर पर गिर गया। इसमें विमान में सवार एक व्यक्ति को छोड़कर सभी की मौत हो गई, जबकि जमीन पर मौजूद लगभग 29 लोगों की भी मौत हो गई।

गोसाईं ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस हादसे के बाद हमने बुकिंग में, खासकर अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में अस्थायी गिरावट देखी है। हालांकि, सटीक प्रतिशत मार्ग के अनुसार अलग-अलग है, लेकिन हमारे अनुमानों से पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में लगभग 18-22 प्रतिशत की गिरावट आई है और तत्काल बाद घरेलू स्तर पर 10-12 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, यह एक अल्पकालिक धारणा आधारित प्रतिक्रिया लग रही है, क्योंकि आम तौर पर समय के साथ चीजें ठीक हो जाती है।

आईएटीओ अध्यक्ष ने बताया कि एयर इंडिया के प्रमुख मार्गों पर किराए में मामूली समायोजन किया गया है। उन्होंने कहा, औसतन, घरेलू क्षेत्रों में टिकट की कीमतों में आठ से 12 प्रतिशत की कमी आई है, जहां एयरलाइन सीधे इंडिगो और अकासा जैसी किफायती कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती है। अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर, विशेष रूप से यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के लिए, किराए में 10-15 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

यह पूछे जाने पर कि क्या यात्रा संचालकों के माध्यम से बुक की गई एयर इंडिया की उड़ानों के लिए यात्रियों ने टिकट रद्द किए हैं, आईएटीओ अध्यक्ष ने कहा, हां, हमने रद्दीकरण में, विशेष रूप से कॉरपोरेट और उच्च श्रेणी के छुट्टियां मनाने वाले यात्रियों द्वारा उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जिन्होंने वैकल्पिक वाहकों को चुना है।

उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टिकट रद्द कराने के मामले में में 15-18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और घरेलू स्तर पर आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, आने वाले दिनों में यह प्रवृत्ति सामान्य हो सकती है क्योंकि कोई प्रणालीगत सुरक्षा मुद्दा सामने नहीं आया है और डीजीसीए जैसे प्राधिकरण एयर इंडिया के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुपालन की पुष्टि करते हैं।

भारत 21 जून को 191 देशों में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा : आईसीसीआर

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत शनिवार को विश्वभर के 1,300 शहरों में योग कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। इन कार्यक्रमों से देश की प्राचीन परंपरा और सौम्य ताकत को प्रदर्शित किया जाएगा।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग भी इस अवसर पर इस्लामाबाद में योग कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

बयान के अनुसार आईसीसीआर की महानिदेशक के. नंदिनी सिंगला ने कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ पर हम दुनिया के लगभग हर देश को योग से जोड़ रहे हैं। अमेरिका जैसे देशों में कई शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसमें कहा गया है कि आईसीसीआर 21 जून को 191 देशों में 1,300 से अधिक स्थानों पर 2,000 से अधिक योग कार्यक्रम आयोजित करेगी।

गौड़े को मंत्रिमंडल से हटाने पर नाइक ने कहा-

किसी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मंत्री गोविंद गौड़े को मंत्रिमंडल से हटाए जाने के कुछ दिन बाद भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष दामोदर नाइक ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाले आदिवासी कल्याण विभाग के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने और भ्रष्टाचार के बारे में अपने कथित बयान के लिए आलोचनाओं का सामना करने वाले गौड़े को बुधवार शाम को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया। नाइक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, कोई भी मंत्री बनने के बाद 'अहम् ब्रह्मास्मि' (मैं सर्वोपरि हूं) नहीं कह सकता। हर किसी को यह समझना होगा कि वह पहले पार्टी का विधायक है और फिर मंत्री है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में अनुशासन को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस साल जनवरी में राज्य इकाई का प्रभार संभालने वाले नाइक ने कहा, अगर आपने गौर किया हो, तो हमारी सभी बैठकें अब समय पर शुरू होती हैं। किसी को इंतजार नहीं कराया जाता। सभी वक्ताओं को समय पर पहुंचना होता है। नाइक ने कहा कि पार्टी या सरकार के खिलाफ सार्वजनिक बयान देने वालों पर भी इसी तरह का अनुशासन लागू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, हम यह नहीं कह रहे कि हम गलतियां नहीं करते। लेकिन अगर कोई किसी बात से परेशान है, तो ऐसे मंच हैं जहां वह अपनी चिंताएं जाहिर कर सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 67 वर्ष की हुईं, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित तमाम हस्तियों ने दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को 67 वर्ष की हो गईं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी तथा वंचितों को सशक्त बनाने के लिए उनके कार्यों की सराहना की।

राष्ट्रपति मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज के उपरबेड़ा गांव में हुआ था। उन्होंने 25 जुलाई 2022 को भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली; इसी के साथ वह देश की पहली आदिवासी राष्ट्राध्यक्ष बन गईं।

राष्ट्रपति वर्तमान में उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के एक संस्थान का दौरा किया। मुर्मू ने संस्थान में आयोजित समारोह में कहा कि सरकारी नीतियां दिव्यांग लोगों को सशक्त बनाने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने के लिए बनाई गई हैं।

राष्ट्रपति ने दृष्टिबाधित बच्चों द्वारा उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के लिए गीत गाए जाने के बाद कहा कि कि भारत का इतिहास दया और समावेशिता के उदाहरणों से भरा पड़ा है। उन्होंने बच्चों से शिक्षा के माध्यम से सशक्त होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने को कहा ।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मेरी आंखों से तो पानी रोके नहीं रुका। मुझे लगता है कि वे गले से नहीं गा रहे थे, वे अपने हृदय से गा रहे थे। जैसे सरस्वती उनके गले में बैठकर गा रही थीं।''

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर उन्होंने सर्वोच्च संवैधानिक पद तक की असाधारण यात्रा तय की है जो सादगी, विनम्रता और गरिमा का प्रतीक है और हमारे लोकतंत्र की सच्ची भावना को दर्शाती है।

धनखड़ ने कहा कि एक विधायक, राज्यपाल और अब विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की

राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने सार्वजनिक जीवन में हमेशा सर्वोच्च मानदंड स्थापित किए हैं, जो अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा, यह जन्मदिन उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्नता और आनंद प्रदान करे। ईश्वर उन्हें देश सेवा के लिए निरंतर शक्ति प्रदान करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, '' राष्ट्रपति जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनका जीवन और नेतृत्व देश भर में करोड़ों लोगों को प्रेरित करता है। जनसेवा, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी को हिम्मत देती है और आशा की किरण है।''

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, ''उन्होंने गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए हमेशा काम किया है। उनके दीर्घायु होने की कामना करता हूं।''

राष्ट्रपति मुर्मू ने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, माननीय राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ और लंबे जीवन की कामना करता हूं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सामाजिक न्याय, गरीबों के सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रति मुर्मू की दृढ़ प्रतिबद्धता राष्ट्र को प्रेरित करती रहेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह देश के लिए एक ''महान प्रेरणा'' हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस की ओर से, हम भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। कामना है कि राष्ट्र की प्रगति, कल्याण और न्याय के प्रति उनकी बुद्धिमत्ता और अटूट समर्पण देश को सच्चाई और शुचिता के मार्ग पर ले जाए। उन्होंने कहा, हम उनके लंबे, स्वस्थ और पूर्ण जीवन की कामना करते हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र की समस्याओं पर समग्र दृष्टिकोण से ध्यान दिया मोदी सरकार ने : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जनता के सामने आने वाले स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान देने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के 'समग्र' दृष्टिकोण के लिए उनकी सराहना की। शाह ने अदिचुनचनगिरी विश्वविद्यालय (एसीयू) के बेंगलूरु परिसर का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, हमारे नेता और प्रधानमंत्री मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि ''गरीबी का सबसे बड़ा मुद्दा बीमारी और इलाज का खर्च है; प्रशासन को गरीबों की बीमारी के इलाज का इंतजाम करना होता है। मैं आज गर्व के साथ कह सकता हूं कि मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही 60 करोड़ गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराकर इस सपने को पूरा किया है।''

शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य की समस्या पर समग्र दृष्टिकोण से ध्यान दिया है, जिसमें फिट इंडिया मूवमेंट, योग दिवस, मिशन इंद्रधनुष और पोषण अभियान, आयुष्मान भारत, भारतीय जन औषधि परियोजना तथा करीब 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाने जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''एक तरह से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी नागरिक मां के गर्भ से लेकर पूरा नागरिक बनने तक बीमार नहीं पड़े और यदि व्यक्ति अस्वस्थ हो जाता है तो वह बिना अधिक कीमत चुकाए इलाज कराए।'' शाह ने कहा कि देश में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने के लिए बड़े प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में देश में सात एम्स थे, आज 23 एम्स हैं, वहीं मेडिकल कॉलेज की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई है। उन्होंने कहा, तब (2014 में) 51,000 एमबीबीएस सीट थीं, आज इनकी संख्या 1,18,000 है, वहीं पीजी सीट की संख्या पहले 31,000 थी, जो आज 74,000 है।'' अदिचुनचनगिरी मठ और गांवों में स्वास्थ्य क्षेत्र में इसके संस्थानों के कार्यों की प्रशंसा करने के साथ ही शाह ने निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी की मठ की 1800 साल पुरानी परंपराओं को कायम रखने के लिए प्रशंसा की। इस अवसर पर केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी तथा केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना तथा मठ के निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी मौजूद थे।

राज्य भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के खतरे से जूझ रहा है : एच.डी. कुमारस्वामी

केंद्रीय मंत्री का दावा है कि बी.आर. पाटिल और कृष्णा बैरेगौड़ा ने सच्चाई उजागर कर दी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सीधा आरोप लगाया कि राज्य सरकार के हर स्तर पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी ने सारी सीमाएं पार कर दी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के सलाहकार बी.आर. पाटिल के बयान इस बात का सबूत हैं कि इस सरकार में क्या हो रहा है। उनके बयानों को मीडिया ने रिपोर्ट किया है। आवास विभाग में कमीशनखोरी के बारे में एक ऑडियो वायरल हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं इससे हैरान नहीं हूं।' मीडिया के सवालों का तीखा जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'अरे सच में? क्या आपको आश्चर्य हुआ? यह लगातार हो रहा है। साइट पाने के लिए रिश्वत और कमीशन दिया जा रहा है। यह राज्य सरकार के हर विभाग में हो रहा है केंद्रीय मंत्री ने तीखा हमला बोला।

कुमारस्वामी ने सवाल किया कि मीडिया में देखा है कि कृष्णा बायरे गौड़ा ने क्या कहा है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा है कि किस तरह विभिन्न चीजों के लिए तय दरें तय की गई हैं। संबंधित विभागों के मंत्री अपने-अपने विभागों में भ्रष्टाचार से पूरी तरह वाकिफ हैं। कृष्णा बैरेगौड़ा ने खुद कहा है कि उनके विभाग में क्या चल रहा है। यह समझने के लिए इससे ज्यादा और क्या उदाहरण चाहिए कि यह सरकार कैसे काम करती है?

बी.आर. पाटिल ने जो कहा है, वह सच है। उन्होंने कहा है कि आवास विभाग में धन तभी जारी होता है जब रिश्वत दी जाती है। न तो मैंने और न ही विपक्ष ने यह दावा किया है। यह किसी और ने नहीं बल्कि राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष और मुख्यमंत्री के सलाहकार ने कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका इरादा साफ तौर पर यही है कि अगर वे अभी पर्याप्त धन लूट लेंगे, तो बाद में चुनाव करा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि केथागनहल्ली की भूमि के संबंध में, मैं कानूनी लड़ाई लड़ रहा हूं। मैंने कानूनी दायरे में अपना पक्ष पहले ही रख दिया है। राज्य सरकार राजनीतिक द्वेष के साथ मुझे परेशान कर रही है।

भूमि निकासी की जांच के लिए गठित एसआईटी पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, यह 40 साल पहले खरीदी गई भूमि का एक टुकड़ा है। इस पर किसी भी तरह का कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध से काम करना शुरू कर दिया है। इस मामले का फैसला अदालत में कानूनी तरीके से किया जाएगा। केंद्र सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध से काम करने का आरोप राज्य सरकार लगाती है। लेकिन वे खुद क्या कर रहे हैं? वे राज्य के अधिकारियों का इस्तेमाल नफरत की उसी राजनीति को खेलने के लिए कर रहे हैं। समय इन सबका उचित जवाब देगा, केंद्रीय मंत्री ने कहा।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की इस अहंकारी टिप्पणी कि जब 2028 में जेडी(एस)-बीजेपी सत्ता में आएगी, तो मैं कुमारस्वामी के कपड़े सिलने वाला व्यक्ति बनूंगा, पर एचडी कुमारस्वामी ने पलटवार करते हुए कहा: मैं ऐसी गरीबी से ग्रस्त नहीं हूं। इस देश के लोगों ने मुझे ऐसी विकट परिस्थितियों में नहीं छोड़ा है कि मैं उस व्यक्ति से कपड़े सिलवाऊं। यह वही है जो दरिद्र है, उसमें मानवता नहीं है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या मुझे लोगों से लूटे गए पाप के पैसे से बने कपड़े पहनने चाहिए? अगर मुझे कभी कपड़ों की जरूरत पड़ी, तो इस देश के लोग जिन्होंने अब तक मुझे आगे बढ़ने में मदद की है, वे मुझे लाकर देंगे। क्या मुझे अपने कपड़े पहनने के लिए उनके दागी पैसे, उनकी लूटी हुई संपत्ति पर निर्भर रहना चाहिए? डी.के. सुरेश को बामुल अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, सरकार सत्ता में है, वे जो चाहें करेंगे। समय आने पर हम इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

हुब्बल्ली में हुई डीआरयूसीसी की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली रेलवे मंडल द्वारा 20 जून को हुब्बल्ली वर्कशॉप के उत्पाद प्रदर्शन एवं सेमिनार हॉल में मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की 38वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) श्रीमती बेला मीना ने हुब्बल्ली मंडल की यात्री-हितैषी पहलों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने डीआरयूसीसी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की तथा कहा कि वे रेलवे अधिकारियों एवं यात्रियों के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समिति को यह भी बताया कि गोवा को जोड़ने वाले घाट खंड में 26 किलोमीटर के हिस्से को प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली रेल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा प्रौद्योगिकी से सुसज्जित किया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक एवं डीआरयूसीसी सचिव संतोष हेगड़े ने रेलवे विभाग द्वारा किए गए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे ने टिकट काउंटरों और स्टॉलों पर क्यूआर आधारित भुगतान प्रणाली, ऑनलाइन टिकट खरीदने के लिए मोबाइल पर यूटीएस, पार्सल बुकिंग के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली शुरू की है। एक स्टेशन एक उत्पाद पहल के तहत, क्षेत्रीय उत्पादों की बिक्री को सक्षम करके स्थानीय स्वयं सहायता समूहों और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कियोस्क स्थापित किए गए हैं। इस बैठक में सदस्यों ने रेलवे सेवाओं और बुनियादी ढांचे से संबंधित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। विषयों में रेलवे स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता, ट्रेन की समय-सारिणी में बदलाव, महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनों की स्थापना, नई ट्रेन सेवाओं की शुरुआत, रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण और कोच पोजिशन डिस्प्ले बोर्ड की स्थापना शामिल थी। समग्र यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए विभिन्न अन्य यात्री-केंद्रित सुविधाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर, कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री हुब्बल्ली के माननीय सचिव रवींद्र एस. बालिगर को क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) के सदस्य के रूप में चुना गया। बैठक में निर्वाचित अधिकारियों, पंजीकृत यात्री संघों, वाणिज्य एवं उद्योग मंडलों, व्यापारी संघों और दिव्यांग समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 13 डीआरयूसीसी सदस्यों ने भाग लिया।

इस अवसर पर टी.वी. भूषण अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम/ओपी), संजय कुमार, मुख्य परियोजना प्रबंधक (सीपीएम) गति शक्ति इकाई, अरविंद हरले, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, आलोक कुमार वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, अनंत गुरुस्वामी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, अखिलेश कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम) और अमृत सुनागर, मंडल इंजीनियर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कुमारस्वामी न तो जीतेंगे और न ही सरकार बनाएंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कर्नाटक में न तो जीतेंगे और न ही सरकार बनाएंगे। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, कुमारस्वामी ने अपने समर्थकों से भाजपा-जेडीएस सरकार के लिए तैयार रहने का आह्वान किया था। मैंने तब उन्हें जवाब दिया था कि अगर वह चुनाव जीतते हैं और 2028 में सरकार बनाते हैं तो मैं उन्हें सूट भेंट करूंगा। वह कुमारस्वामी के इस बयान का जवाब दे रहे थे कि वह इतने गरीब नहीं हैं कि उनसे कपड़े ले सकें।

उन्होंने स्पष्ट किया, आवास मंत्री ने केवल अल्पसंख्यकों का कोटा ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित किया है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों की संख्या कम है। अल्पसंख्यकों को देने के लिए किसी से कोटा नहीं छीना जा रहा है। उन्होंने कहा, सच्चर समिति की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में भी अल्पसंख्यकों को कोटा दिया गया था। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों की संख्या कम होने के कारण कोटे का उपयोग नहीं किया जा रहा था। अब इसे ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है। हम किसी से कुछ नहीं छीन रहे हैं। 90 प्रतिशत एससी/एसटी को घर दिए गए हैं। जब तक वे घर की नींव नहीं रखते, सरकार धन मुहैया नहीं करा सकती। विपक्षी दल इसका राजनीतिकरण कर रहे हैं, उन्हें ऐसा करने दें। खाली पड़े फ्लैटों के कारण सरकार घाटे में नहीं जा सकती। हमने एससी/एसटी को अवसर दिया था और उनका कोटा खत्म हो गया।

फिर हमने इसे पिछड़े वर्गों और सामान्य श्रेणियों में स्थानांतरित कर दिया। हम एक ऐसी सरकार हैं जो समान जीवन और समान हिस्सेदारी के दर्शन में विश्वास करती है। उन्हें विधानसभा सत्र में हमारे काम पर चर्चा करने दें। बीआर पाटिल के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि राजीव गांधी आवास योजना के तहत घर तभी आवंटित किए जाते हैं जब रिश्वत दी जाती है, उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

डेल्हीवरी ने दिल्ली-एनसीआर, बेंगलूरु में मांग आधार पर सामान पहुंचाने की सेवा शुरू की

बेंगलूरु/नई दिल्ली। लॉजिस्टिक कंपनी डेल्हीवरी ने अहमदाबाद में पायलट पेशकश के बाद शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर और बेंगलूरु में 'डेल्हीवरी डायरेक्ट ऐप' के जरिये मांग के आधार पर शहरी सामान पहुंचाने की सेवा शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह सेवा स्थानीय आपूर्ति के लिए बुकिंग के 15 मिनट के भीतर सामान ले लेगी। इसमें दोपहिया वाहनों का उपयोग पार्सल आपूर्ति के लिए किया जाएगा, जबकि बड़े सामान पहुंचाने के लिए तीन और चार पहिया वाहनों का इस्तेमाल होगा।

बयान के अनुसार, डेल्हीवरी डायरेक्ट ऐप गूगल प्ले और ऐप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है, जहां ग्राहक मांग के आधार पर बुकिंग कर सकते हैं। डेल्हीवरी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) साहिल बरुआ ने कहा कि यह पेशकश देश भर के लाखों उपभोक्ताओं और एसएमई को एक लॉजिस्टिक समाधान देती है।

बाघ के हमले में महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। कर्नाटक में बंदीपुर बाघ अभयारण्य क्षेत्र में चामराजनगर जिले के ओंकार रेंज के पास बाघ के हमले में 32-वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान जिले के गुंडलुपेट तालुका निवासी पुट्टम्मा के रूप में हुई है। वन अधिकारियों के अनुसार, यह घटना बृहस्पतिवार दोपहर को उस वक्त हुई, जब महिला अपने मवेशियों को चराने गई थी। अधिकारियों ने बताया कि बाघ ने महिला पर हमला किया और उसे घसीटकर घटनास्थल से 100 मीटर दूर ले गया। ग्रामीणों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। बंदीपुर के वन संरक्षक प्रभाकरन ने कहा कि महिला की मौत बाघ के हमले में हुई है। उन्होंने बताया कि हमला करने वाले बाघ की पहचान के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने क्षेत्र में बाघों की गतिविधियों की पहचान करने और उनपर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए हैं।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो
(विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक सांविधिक निकाय)
चौथा तल, सेवा भवन, आर. के. पुरम, नई दिल्ली - 110066
वेबसाइट: www.beeindia.gov.in दूरभाष: 011-26766700
LiFE Lifestyle For Environment

ऊर्जा प्रबंधकों और ऊर्जा संपरीक्षकों के लिए 25वीं राष्ट्रीय प्रमाणन परीक्षा

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा **27 और 28 सितंबर, 2025** (शनिवार और रविवार) को ऊर्जा प्रबंधकों और संपरीक्षकों के लिए 25वीं राष्ट्रीय प्रमाणन परीक्षा आयोजित की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार परीक्षा के लिए **www.nceexam.in** वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकते हैं।

"प्रॉस्पेक्टस" वेबसाइट पर "डाउनलोड" टैब पर उपलब्ध है। उक्त वेबसाइट का लिंक **www.beeindia.gov.in** पर भी उपलब्ध है।

ऑनलाइन पंजीकरण प्रारंभ: 27 जून 2025, सुबह 11:00 बजे

ऑनलाइन पंजीकरण की समाप्ति: 28 जुलाई 2025 को 11:00 बजे

CBC 34106/12/0009/2526 सचिव

एचएएल ने अदाणी समर्थित कंपनी को पछाड़कर एसएसएलवी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की बोली जीती

बेंगलूरु/नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत शुक्रवार को लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की बोली जीत ली। एसएसएलवी रॉकेट का इस्तेमाल भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 500 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए किया जाता है। लड़ाकू जेट विनिर्माता एचएएल ने अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज तथा राज्य समर्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के दो समूहों को पीछे छोड़कर यह बोली जीती। अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज द्वारा समर्थित कंपनी है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष पवन गोयनका ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। एचएएल ने 511 करोड़ रुपये की विजयी बोली प्रस्तुत की, जिसके तहत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह एसएसएलवी की एकमात्र विनिर्माता बन जाएगी। यह प्रक्रिया अगले दो वर्षों में पूरी होने की उम्मीद है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत एचएएल के पास स्वतंत्र रूप से एसएसएलवी प्रक्षेपण यान का निर्माण, स्वामित्व और व्यावसायीकरण करने की क्षमता होगी।

गोयनका ने बताया कि नौ कंपनियों ने एसएसएलवी के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में रुचि दिखाई थी, जिनमें से तीन को अस्वीकार कर दिया गया तथा शेष छह में से तीन ने आवेदन नहीं करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, एसएसएलवी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भारत के परिवर्तनकारी वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि यह किसी अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा संपूर्ण प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी को किसी कंपनी को हस्तांतरित करने का पहला उदाहरण है।

बैठक

बेंगलूरु में शुक्रवार को मुख्यमंत्री के गृह कार्यालय 'कावेरी' में आयोजित येत्तिनाहोले परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्यया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री जी परमेश्वर, केएच मुनियप्पा, कृष्णा बायरे गौड़ा, डॉ एमसी सुधाकर, कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष बैयरती सुरेश, विधायक शिवलिंगगौड़ा, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 13/2025, दिनांक: 17.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए केवल आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते है: निविदा समापन होने का समय: 10:30 बजे

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा अंतिम तिथि
1	38251183	ब्रेक पाईप के लिए संपूर्ण एयर ब्रेक होस कप्लिंग	11326 नं.	30.06.2025
2	45251301	इंटर वेहिक्युलर कप्लर 550 ए, 750 वोल्ट के लिए कप्लिंग सॉकेट एसेम्बली	304 नं.	30.06.2025
3	33245009	स्वयंचालित आग संसूचन सह दमन प्रणाली का आपूर्ती, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव	25 नं.	30.06.2025
4	30251329	फुट स्टेप अरेंजमेंट एसेम्बली	2347 नं.	01.07.2025
5	33251283	ब्रेक कैलिपर यूनिट राईट वर्षन	44 नं.	03.07.2025
6	56251098	पीवीसी सिग्नलिंग केबल 19सी X 1.5 च. मि.मी.	446 किमी.	07.07.2025
7	56251085	लेड ऑसिड कमी रखरखाव वाली सेकेंडरी सेल्स 2 वी, 300 एएच	941 नं.	07.07.2025
8	60255031	ड्रॉइंग सं. टी-8669 के लिए 10 मिमी. थिक सीजीआरएसपी	106000 नं.	09.07.2025
9	60255040	ड्रॉइंग सं. टी-8998 के लिए 10 मिमी. थिक सीजीआरएसपी	60000 नं.	09.07.2025
10	45251481ए	सेल्फ प्राईमिंग मोनो ब्लॉक पम्प, 0.5 एचपी	2832 नं.	09.07.2025
11	60252023	इलास्टिक रेल क्लिप एमके-वीटी-5919	4061927 नं.	14.07.2025
12	33251361	हाई टेन्साईल एएआर-एच टाईप टाईट लॉक कप्लर	186 सेट	14.07.2025
13	33251069	नॉन एस्बेस्टस आधारित ऑर्गानिक ब्रेक पैड	46876 सेट	22.07.2025
14	38251354	नॉन-ट्रॉन्सिशन सीबीसी के लिए कप्लर बॉडी	710 नं.	28.07.2025
15	33251303	प्राईमरी सस्पेन्शन के लिए रबर पैड	10306 नं.	31.07.2025
16	38251398	स्लॉक एड्जस्टर संपूर्ण टाईप आईआरएसए 600	1316 नं.	04.08.2025
17	33251476	ब्रेक सिलिंडर और कैलिपर के लिए मस्ट चेंज किट	10 सेट	06.08.2025

सूचना सं. 09/2025 में प्रकट हुआ निविदा सं. 33251450 में, निविदा खोलने दिनांक 05.06.2026 से 26.06.2026 को परिष्कृत हुआ है।

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/209AAF/PRB/SWR/2025-26 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, हुबली

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े के आयोजन से जरूरतमंद तक पहुंचेगा योजनाओं का पूरा लाभ : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं टीएसपी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वूपर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की ओर से आयोजित राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 से 30 जून तक चलाए जा रहे धरती आबा जन-भागीदारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए इसे सफल बनाएं। उन्होंने वनाधिकार अधिनियम-2006 के तहत लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावों का शीघ्र निस्तारण कर अधिकार पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा स्वीकृत किए गए कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के कार्यों को जल्द पूरा करने और बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

शर्मा ने जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की गतिविधियों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण एवं जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए निर्देशित किया। वहीं उन्होंने जनजाति क्षेत्र में बिजली कनेक्शन समय पर जारी करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने टीएसपी क्षेत्र में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रोगियों की पहचान और उपचार सहायता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम-जनमन के तहत स्वीकृत कार्यों को गति प्रदान करने और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित हो रही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी परिवार तक सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री वन-धन योजना के माध्यम से जनजाति समुदाय की आय बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया। शर्मा ने 24 जून से प्रारम्भ होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे. में जनप्रतिनिधियों को पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कहा, जिससे योजनाओं का पूरा लाभ जरूरतमंद तक पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों को आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने सहित मां-बाड़ी केन्द्रों में भोजन और पोषाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने टीएसपी क्षेत्र में मिनी बीज किट के शेष वितरण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, विधायक समाराम, फूल सिंह मीणा, प्रताप लाल भील, श्रीमती शान्ता अमृत लाल मीणा, गोपीचंद मीणा, ललित मीणा, महेन्द्र पाल मीणा, हंसराज मीणा, राजेन्द्र मीणा, रामबिलास, शंकर लाल डेचा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बढ़ रही है राज्य पक्षी गोडावण की संख्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। विलुप्त होने के कगार पर पहुंचे प्रथम अनुसूची के राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) को लुप्त होने से बचाने एवं संरक्षण के लिये भारतीय वन्यजीव संस्थान और राजस्थान सरकार के वन विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों के अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। जैसलमेर जिले के सम स्थित मरु राष्ट्रीय उद्यान एवं रामदेवरा प्रजनन केंद्र गोडावण का कुनबा बढ़ने के साथ ही अब मैदानी वन क्षेत्रों में भी गोडावण की संख्या में वृद्धि होने की संभावनाएं प्रबल हो गयी हैं। जिला वन अधिकारी बी एम गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि मरु राष्ट्रीय उद्यान में 11 और 12 जून को वन विभाग द्वारा आयोजित जलस्रोत पद्धति से की गयी वन्य जीवों की गणना में पहली बार 73 गोडावण नजर आये हैं।

सबसे अहम बात है कि पहली बार इनमें गोडावण के चार चूजे भी अपनी माँ के साथ वन विभाग के बाड़े में देखे गये हैं। यह सुखद संकेत है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 की इसी तरह की गणना में 64 गोडावण देखे गये थे। वर्ष 2023 में भारी बारिश के कारण गणना नहीं हुई थी। वर्ष 2022 की गणना में 42 गोडावण नजर आये थे। इतनी बड़ी संख्या में गोडावण के नजर आने पर वन्यजीव प्रेमियों में खासा उत्साह है, क्योंकि इनकी आबादी प्रजनन केंद्रों में बढ़ने के साथ ही वनों में भी बढ़ रही है।

गुप्ता ने बताया कि यह राजस्थान के राज्य पक्षी को बचाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विलुप्ति के कगार पर है। सर्वेक्षण 11 जून की मध्यरात्रि को शुरू हुआ और 24 घंटे तक चला। जल स्रोत विधि में प्राकृतिक और कृत्रिम जल स्रोतों की चौबीसों घंटे निगरानी की जाती है। यहां वन्य जीव अक्सर इकट्ठा होते हैं, जो अवलोकन और गिनती के लिए एक आदर्श अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह 52 जल स्रोतों पर वन्यजीवों की गणना की गयी। इस गणना में 73 गोडावणों के साथ दूसरे वन्यजीव भी नजर आये हैं, जबकि 47 मरु बिल्ली, 125 लोमड़ी, 120 मरु लोमड़ी, 2133 चिंकारा, 150 गुद्ध, 106 सारस और करीब 250 मोर भी देखे गये हैं। जून 2019 में अपनी स्थापना के बाद से, गोडावण पुनर्वास कार्यक्रम के तहत वनों से एकत्र किये गये अंडों और पिंजरों में प्रजनन प्रयासों के माध्यम से कुल 62 पक्षियों को सफलतापूर्वक पाला है। जैसलमेर वन विभाग के जिला वन अधिकारी कुमार शुभम ने बताया कि गोडावण की गिनती के अलावा इस वर्ष की जनगणना में जैसलमेर वन प्रभाग के छह रेंजों में कुल वन्य जीव आबादी में 20 प्रतिशत की वृद्धि भी हुई है। इस बार की गणना में कुल 2592 वन्यजीव देखे गए। जनगणना छह क्षेत्रों पोकरण, छायन, सम, लाठी, डाबला और जैसलमेर मुख्यालय में आयोजित की गई थी। करीब 55 वन कर्मियों ने 24 घंटे के लिए 24 जल बिंदुओं की लगातार निगरानी की। गिने गये जानवरों में 933 चिंकारा, 106 सारस, 22 लोमड़ी, साथ ही खरगोश, जंगल बिल्ली और अन्य प्रजातियां शामिल थीं।

शूटिंग

भाजपा विधायक सिद्धी कुमारी शुक्रवार को बीकानेर में थंडरबोल्ट शूटिंग चैंपियनशिप के उद्घाटन के दौरान शूटिंग प्रदर्शन में भाग लेती हुई।

बालक की पीट-पीट कर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर के बाड़ी के सदर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक बालक की पीट-पीट कर हत्या करके शव पार्वती नदी के किनारे मिट्टी की एक खदान में दबा दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना का पता चलने पर परिजन बच्चे का शव खदान से निकालकर शव अस्पताल लेकर गये, जहां शुक्रवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि धीमरी गांव के मृतक सौरभ के पिता कल्याण सिंह ने मामला दर्ज कराते हुये बताया कि उसके पुत्र से जबरन मजदूरी कराने के लिए उसकी हत्या की गयी है।

उसने बताया कि वह अपने खेत की जुताई का भुगतान नहीं कर सका था, जिसकी ऐवज में नामजद दबंग आरोपी उसके दो नाबालिग पुत्र गौरव (14) और सौरभ (12) को जबरन बेगार एवं मजदूरी कराने अपने साथ ले गये।

उसने बताया कि जब उसके पुत्र से मजदूरी नहीं हुई, तो दबंगों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गयी, उसका शव मिट्टी की खदान में दबा दिया गया। मृतक के पिता ने बताया कि नामजद दबंग आरोपी पार्वती नदी में मिट्टी और रेत का दोहन करते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

सौम्या गुर्जर ने किया योगाभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में ग्रेटर नगर निगम की महापौर एवं योग ब्रांड एम्बेसेडर डा सौम्या गुर्जर ने योग महोत्सव- 2025 से पहले शुक्रवार को उद्यमियों, व्यापार मण्डलों के अध्यक्षों एवं व्यापारियों के साथ योगाभ्यास किया। ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों के पूर्वाभ्यास के तहत नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित किये जा रहे शिविरों के तहत डा सौम्या गुर्जर ने पहले योग फिर उद्योग के संकल्प के साथ प्रातः आठउ बजे हवामहल के सामने सभी व्यापार मंडलों के अध्यक्षों दुकानदारों उद्यमियों, आमजन के साथ योगाभ्यास किया।

योगिनी हेमलता ने सभी को ताड़ासन, कटि चक्रासन, पश्चिमोत्तानासन, तितली आसन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम विलोम प्राणायाम जैसे योगाभ्यास कराये गये। इसके साथ ही महापौर ने ''एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य'' के लिये योग का संदेश देते हुये सभी व्यापारियों, व्यापार मण्डलों के अध्यक्षों को प्रतिदिन योगाभ्यास से दिन की शुरूआत करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर जयपुर व्यापार महासंघ अध्यक्ष सुभाष गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया, उपाध्यक्ष नीरज लुहाडिया, चांदी की टकसाल, हवामहल, व्यापार मण्डल के अध्यक्ष मौजूद रहे। महापौर ने सभी व्यापारियों को थ्री आर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) को अपने जीवनचर्या में शामिल करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे पर्यावरण सरंक्षण को मजबूती मिलेगी। इससे पहले नगर निगम ग्रेटर द्वारा झोटवाड़ा, विद्याधर नगर सहित विभिन्न स्थानों पर योग शिविर लगाये गये जिसमें आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर महापौर ने डा सौम्या गुर्जर ने जयपुरवासियों एवं प्रदेशवासियों से योग दिवस पर योगाभ्यास करने के लिए आह्वान करते हुये कहा कि प्रत्येक जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत, मुख्यालयों, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों आदि पर आयोजित कार्यक्रमों में योग गुरूओं द्वारा योगाभ्यास कराया जायेगा जिसमें आमजन अपने निकटतम स्थल पर योगाभ्यास में बढ़-चढ़कर भाग ले। योग अनुशासन का पर्याय है योग हमारी विचारधारा और संस्कृति का अभिन्न अंग है। उन्होंने बताया कि 21 जून को जयपुर में 13 स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिसमें सवाई मानसिंह स्टेडियम, गलता जी मंदिर, जलमहल, हवामहल, आमेर फोर्ट, गोविंद देव जी मंदिर, जयगढ़, सिटी पैलेस, अल्बर्ट हॉल, सेंट्रल पार्क, बिड़ला मंदिर, पत्रिका गेट एवं सिटी पार्क शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जयपुरवासी इन योग कार्यक्रम बढ़-चढ़कर भाग ले और स्वस्थ्य जीवन की ओर कदम बढ़ाये।

राष्ट्र की एकता अखंडता के लिए मिलकर कार्य करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजभवन में शुक्रवार को गोवा, सिक्किम, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल राज्यों का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने इस दौरान इन राज्यों के स्थानीय निवासियों को स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनसे संवाद किया। उन्होंने कहा कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना के तहत राजभवन में राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विविधता में एकता की हमारी संस्कृति से हम सदा जुड़े रहें। उन्होंने राज्यों के निवासियों को अपनी मातृभूमि और वहां की परम्परा, संस्कृति से जुड़े रहने के साथ जहां निवास कर रहे हैं उस राज्य के विकास में सहभागी बनने का भी आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि गोवा आजादी के बाद भी पुर्तगाल के कब्जे में था। इसके लिए बाकायदा सत्याग्रह आंदोलन हुआ। महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों से लोगों ने गोवा मुक्ति संग्राम में भाग लिया। कर्नाटक केसरी कहे जाने वाले जगन्नाथ जोशी सहित सुधीर फड़के आदि ने गोवा की आजादी में महती भूमिका निभाई। उन्होंने गोवा को देश का सुंदर पर्यटन स्थल बताते हुए वहां की लोक संस्कृति से भी प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने तेलंगाना के नए राज्य बनने की चर्चा करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों की ही राजधानी हैदराबाद रखी गयी। इन राज्यों की भाषा, संस्कृति को उन्होंने महती बताया। राज्यपाल ने पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम को प्रकृति का उपहार बताते हुए कहा कि यह छोटा सा परन्तु भारतीय संस्कृति में रचाबसा प्रदेश है। लघु तिब्बत के रूप में यह जनआस्थाओं से भी जुड़ा है। इसी तरह उन्होंने पश्चिम बंगाल को आजादी आंदोलन का गढ़ बताते हुए नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का भी विशेष रूप से स्मरण किया। उन्होंने कहा कि बंगाल कला संस्कृति के साथ रवीन्द्रनाथ टैगोर की पावन धरा है। उन्होंने राष्ट्र प्रथम की सोच रखते हुए सभी को देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की नई पीढ़ी की बौद्धिक और शारीरिक क्षमता कैसे बढ़े, इसके लिए सभी मिलकर कार्य करे। इससे पहले इन राज्यों के निवासियों ने राज्यपाल का अभिनंदन किया और राजभवन में आमंत्रण के लिए आभार जताया।

जम्मू-कश्मीर में पुनः आएगी पर्यटकों की बहार : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि केन्द्र और जम्मू-कश्मीर सरकार ने पयर्टन को लेकर व्यापक तैयारी की है और आगामी दिनों में जम्मू-कश्मीर में एक बार पुनः पर्यटकों की बहार आएगी। शेखावत ने अपनी दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे के बाद शुक्रवार को अपने गृह जिले जोधपुर पहुंचने पर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में यह बात कही। जम्मू-कश्मीर दौरे के बारे में शेखावत ने कहा कि पहलगाम की आतंकवादी घटना के बाद जम्मू-कश्मीर और पहलगाम का पर्यटन बुरी तरह से प्रभावित हुआ।

केन्द्र और जम्मू-कश्मीर सरकार के निरंतर प्रयासों के बाद अब वहां पर्यटन की गतिविधियां प्रारंभ हुई हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों का मनोबल और आत्मविश्वास जागृत हो सके, इस दृष्टिकोण से उन्होंने घटनास्थल और उसके आसपास के स्थलों पर जाकर पर्यटकों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हमारा ऐतिहासिक पुरातात्विक वैभव है जो हजारों-हजार साल की पुरा संपदा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) संरक्षित कर रही है। उन सबको पर्यटन से किस प्रकार से जोड़ा जा सकता है, इस विषय पर भी चर्चा हुई। शेखावत ने कहा कि वह विश्वास के साथ कह सकते है कि जिस तरह की तैयारी केन्द्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर सरकार ने की है, आने वाले 15-20 दिन में एक बार पुनः पर्यटकों की घाटी में पहले की भांति वापसी होगी और राज्य में पर्यटन एक बार फिर ऊंचाइयों को छुएगा।

'नीट 2025' परीक्षा में भारत में प्रथम रहने वाले महेश ने की राज्यपाल से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से राजभवन में शुक्रवार को 'नीट यूजी 2025' परीक्षा में पूरे भारत में पहला स्थान प्राप्त करने वाले हनुमानगढ़ के छात्र महेश कुमार ने अपने परिजनों के साथ मुलाकात की। राज्यपाल ने महेश कुमार को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने महेश का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया और भगवान गणेश की प्रतिमा भी उपहार स्वरूप भेंट की। राज्यपाल ने इस दौरान महेश की अपने परिवार और गांव का नाम रोशन करने के साथ राजस्थान को देश भर में गौरव दिलाने के लिए सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि चिकित्सा क्षेत्र में भी वह राष्ट्र को भविष्य में गौरवान्वित करेगा।

भूपेंद्र यादव ने घड़ियाल प्रजाति संरक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की

बहराइच/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ कतर्नियाघाट की जीवनदायिनी गेरूआ नदी में नौका विहार किया तथा एक-एक वर्ष के घड़ियाल के सात बच्चों को नदी की जल धारा में छोड़कर घड़ियाल प्रजाति संरक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले की गेरूआ नदी में नौका विहार के दौरान वन मंत्री ने डॉल्फिन, मगरमच्छ, घड़ियाल को देखा तथा कतर्नियाघाट की प्राकृतिक छटा, घास के मैदान, वुडलैण्ड एवं नदियों के मिलकर बने अद्भुत मिश्रित सौंदर्य की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि दुधवा बाघ अभयारण्य के भ्रमण के दौरान जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, संरक्षण के लिए कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों तथा वन क्षेत्रों के आस-पास स्थित ग्रामवासियों के साथ बैठक की गयी, जिसमें अनेक सुझाव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन सुझावों को शामिल करते हुए वन एवं वन्यजीवों के विकास एवं संरक्षण की कार्ययोजना तैयार की जायेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम की पहल को आगे बढ़ाने की अपील करते हुए यादव ने कहा कि नाना प्रकार की पर्यावर्णीय समस्याओं के सरल समाधान के रूप में हमें अधिक से अधिक पौधे रोपित करने होंगे। कतर्नियाघाट को अत्यन्त सुन्दर व अद्वितीय स्थान बताते हुए मंत्री ने कहा, यह स्थान प्रकृति की अद्भुत क्षमता को अपने भीतर समाहित किए हुए है। यहां प्रोजेक्ट टाइगर व प्रोजेक्ट एलीफेंट के लिए पर्याप्त टाइगर व एलीफेंट मौजूद हैं, तो प्रोजेक्ट डॉल्फिन के लिए पर्याप्त डॉल्फिन व स्वच्छतम जल की उपलब्धता है। आज हमने यहां डॉल्फिन भी देखी है। उन्होंने कहा कि घड़ियाल की हैचिंग के लिए रेत की जगह बनने की समस्या को दूर करने के उपाय किए जा रहे हैं।

बंगाल के एक हजार स्कूलों में सौर ऊर्जा से पहुंचाई जाएगी बिजली : मंत्री

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने सौर ऊर्जा के उपयोग से एक हजार स्कूलों को विद्युतीकृत करने का लक्ष्य रखा है। गैर-परंपरागत और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री मोहम्मद गुलाम रब्बानी ने शुक्रवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। रब्बानी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक सुकांत पॉल के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि उनका विभाग बिजली की मांग को पूरा करने और ताप विद्युत पर निर्भरता कम करने के लिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा समेत जल विद्युत जैसे गैर-परंपरागत ऊर्जा संसाधनों का उपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हम हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सभी स्कूलों को सौर ऊर्जा के अंतर्गत लाना चाहते हैं। इस पहल के तहत राज्य भर में एक हजार स्कूलों में सौर ऊर्जा के अंतर्गत बिजली पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक पार्थसारथी चट्टोपाध्याय के प्रश्न के उत्तर में रब्बानी ने कहा कि बिजली उत्पादन के लिए समुद्र की लहरों का उपयोग करने की काफी संभावनाएं हैं और अगर बोली लगाने वाले किसी व्यक्ति या कंपनी की ओर से कोई ठोस प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उस पर विचार किया जाएगा।

संक्षिप्त मुलाकात के बाद पुलिस ने बंगाल भाजपा प्रमुख मजूमदार और डॉ. बंदोपाध्याय को हिरासत में लिया

कोलकाता/भाषा। दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर में शुक्रवार शाम को उस समय तनाव फैल गया जब भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और लंदन के डॉक्टर रजतशुभ्र बंदोपाध्याय को सड़क किनारे हुई एक संक्षिप्त बातचीत के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। केंद्रीय मंत्री मजूमदार और बंदोपाध्याय को हिरासत में लिए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

केंद्रीय राज्य मंत्री मजूमदार पुलिस प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए 'पश्चिमबंग दिवस' (पश्चिम बंगाल दिवस) मनाने के लिए मोटरसाइकिल पर सवार होकर भवानीपुर पहुंचे। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर बंदोपाध्याय से मिलने के लिए हरीश मुखर्जी रोड पर स्थित उनके आवास की तरफ बढ़े। जैसे ही मजूमदार का काफिला इलाके के पास पहुंचा, पुलिस अधिकारियों ने उसे रोक लिया और दावा किया कि डॉक्टर घर पर नहीं हैं। हालांकि, इसके तुरंत बाद भाजपा द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में बंदोपाध्याय को उनके आवास पर दिखाया गया, जिससे आसपास जमा पार्टी समर्थकों में गुस्सा भड़क गया। तनाव तब और बढ़ गया जब भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस अधिकारियों के साथ तीखी बहस हुई।

प्रधानमंत्री मोदी का राजद पर निशानाः कहा-

बिहार दलितों के आदर्श का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिवान/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बाबा साहब भीम राव अंबेडकर का कथित रूप से अपमान करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की आलोचना की और कहा कि बिहार के लोग दलितों के इस आदर्श का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इस साल के पांचवें और एक महीने में दूसरे दौरे के तहत सिवान पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के विश्व की 'तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था' के रूप में उभरने में बिहार की भावी 'बड़ी भूमिका' की सराहना की। प्रधानमंत्री ने 5,900 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत करने और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद अपने लगभग 45 मिनट के संबोधन में आगामी विधानसभा चुनावों में राजद नीत विपक्ष द्वारा 'बिहार के आर्थिक संसाधनों पर फिर से कब्जा करने के प्रयासों' के प्रति लोगों को आगाह किया। मोदी ने कहा, '' अंबेडकर वंशवाद के खिलाफ थे, लेकिन उन्हें (राजद और उसके सहयोगियों को) यह पसंद नहीं है। इसलिए उन्होंने अपने पैरों के पास उनकी तस्वीर रख ली है। रास्ते में मैंने बाबासाहेब के अपमान के लिए माफी मांगने वाले पोस्टर देखे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन कोई माफी नहीं मांगी गई। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे दलितों का तिरस्कार करते हैं। इसके विपरीत, मोदी बाबासाहेब को अपने दिल में रखता है और उनकी तस्वीर को अपने सीने से लगाकर रखना चाहता है।'' मोदी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद का नाम लिए बगैर कहा कि 70 वर्षीय बीमार व्यक्ति के पैरों के पास अंबेडकर का चित्र रखा गया था, जिसका विरोध भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''इसका कारण यह है कि राजद-कांग्रेस के लोगों में वंचित जातियों, दलितों, ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और ईबीसी (अति पिछड़ा वर्ग) के लोगों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। वे खुद को बाबासाहेब अंबेडकर से ऊपर समझते हैं। लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि बाबासाहेब अंबेडकर के प्रति अनादर को बिहार की जनता माफ नहीं करेगी।'' मोदी ने हुए कहा कि दुनिया भारत की प्रगति से 'बहुत प्रभावित' है। उन्होंने देश के ''दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था'' के रूप में उभरने में बिहार की ''बड़ी भूमिका'' को रेखांकित किया।

मोदी के नेतृत्व में आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा से जुड़ गया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आजमगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पहले लोग आजमगढ़ और उत्तर प्रदेश का नाम लेने से डरते थे और यहां का निवासी पहचान के संकट से जूझता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा से जुड़ गया है।

योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के अवसर पर कहा, उत्तर प्रदेश एक 'बीमारू' राज्य से एक्सप्रेसवे राज्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। याद करने की कोशिश करें कि आठ साल पहले क्या हालात थे। लोग आजमगढ़ और उत्तर प्रदेश का नाम लेने से डरते थे।'' उन्होंने कहा, आजमगढ़ ने दो मुख्यमंत्री दिए हैं लेकिन यह आजमगढ़ पहचान का मोहताज था पर आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आठ साल की अवधि में, आजमगढ़ पहचान का मोहताज नहीं रहा।'' मुख्यमंत्री ने कहा ''आजमगढ़ अब अदम्य साहस का गढ़ बन गया है। अब यह विकास की मुख्यधारा से जुड़ गया है।'' गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे 91.352 किलोमीटर लंबा है और 7,283 करोड़ रुपए की लागत से बना है। इसके उद्घाटन से पहले योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''91.35 किलोमीटर लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का उद्घाटन पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में अंतिम चरण की तैयारियां चल रही : चंपत राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में अंतिम चरण की तैयारियां चल रही हैं और एक बार यह काम पूरा हो जाने के बाद सभी भारी मशीनरी को हटा लिया जाएगा।

राय ने अयोध्या में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इसके बाद मंदिर परिसर की सफाई का अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आम लोगों के दर्शन में बाधा न आए, इसकी चिंता है, लेकिन मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए कुछ और काम भी किए जाने हैं। इनमें मंदिर परिसर की चारदीवारी का निर्माण कार्य का काम भी शामिल है। राय ने बताया कि चारदीवारी का निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है और मंदिर परिसर के दरवाजों को ठीक करना है। इन कामों को पूरा होने में एक साल और लग सकता है। उन्होंने कहा कि साथ ही मंदिर परिसर में सभागार, विश्रामगृह और ट्रस्ट कार्यालय का काम भी पूरा होना है। हालांकि, मंदिर का मुख्य काम इस साल अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा।

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मालिकाना हक के मुकदमे पर 2019 में उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद राम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी 2024 को भव्य मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

बिहारः मोदी ने अंबेडकर के 'अपमान' के मुद्दे पर लालू पर साधा निशाना

सिवान (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद पर उनके जन्मदिन समारोह के दौरान बाबासाहेब अंबेडकर के कथित अपमान को लेकर तीखा हमला बोला। मोदी ने हालांकि लालू प्रसाद का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके पैरों के पास अंबेडकर की तस्वीर रखे जाने की घटना का जिक्र किया, जिसके लिए राजद अध्यक्ष को भाजपा नीत राजग की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

बिहार के सिवान जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''अंबेडकर वंशवाद के खिलाफ थे। लेकिन उन्हें (राजद और उसके सहयोगी दलों को) यह बात पसंद नहीं है। इसलिए उन्होंने उनकी (अंबेडकर की) तस्वीर अपने पैरों के पास रख ली। रास्ते में मैंने बाबासाहेब के इस अपमान के लिए माफी की मांग करने वाले पोस्टर देखे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन कोई माफी नहीं मांगी गई। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे दलितों का तिरस्कार करते हैं। जबकि मोदी, बाबासाहेब को अपने दिल में रखता है।''

राजद के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में लालू प्रसाद के 78वें जन्मदिन के जश्न के दौरान उनके आवास पर 'कैमरा एंगल' के कारण विवाद पैदा हुआ।

पार्टी ने दावा किया है कि प्रसाद ने 'चिकित्सकीय सलाह' के कारण सोफे पर पैर रखा था, और एक समर्थक अंबेडकर की तस्वीर लेकर उनके पास खड़ा था।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सबसे महंगा राजमार्ग : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे को सबसे महंगा राजमार्ग करार देते हुए दावा किया कि यह एक्सप्रेसवे नहीं बल्कि चार-लेन वाला राजमार्ग है।

अखिलेश यादव ने लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जो लोग दूसरों के बनाए राजमार्ग पर उंगली उठाते हैं, वे अपनी सरकार बनने के बाद तरह-तरह के बयान देते हैं। भ्रष्टाचार पर कितनी बातें की गईं। आज सबसे महंगा राजमार्ग बना है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण की लागत पर सवाल उठाते हुए कहा, कल तक हम अखबारों में खोजते थे कि कितने हजार करोड़ रुपए में राजमार्ग बना है। लेकिन, मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि आज सभी अखबारों ने बताया है कि राजमार्ग सात हजार करोड़ रुपए में बना है और इसे कब बनना चाहिए था? अगर किसानों का मुआवजा दो हजार करोड़ रु. है, तो पांच हजार करोड़ रुपए (बचे हुए) हैं। अगर हम पांच हजार करोड़ रु. को 91 किमी सड़क (लंबाई) से विभाजित करते हैं, तो इसकी लागत 50 करोड़ रु. प्रति किमी. से अधिक होगी, और वह भी चार-लेन। उन्होंने कहा कि यह 4-लेन राजमार्ग है, एक्सप्रेसवे नहीं। यादव ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री को 4-लेन राजमार्ग और एक्सप्रेसवे के बीच का अंतर नहीं पता है। यह सड़क भारतीय सड़क कांग्रेस के मानकों के अनुसार नहीं बनाई गई है। और, जिसने भी मानकों के साथ खिलवाड़ किया है, क्या यह सरकार ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कभी कार्रवाई करेगी।

भगवान जगन्नाथ की धरती पर आने के लिए ट्रंप के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया : ओडिशा में मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वाशिंगटन आने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पवित्र भूमि ओडिशा आने का विकल्प चुना। भुवनेश्वर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''मैं जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा में था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे फोन किया और चर्चा तथा दोपहर के भोजन के लिए वाशिंगटन आमंत्रित किया। मैंने निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि मुझे भगवान जगन्नाथ की भूमि ओडिशा जाना है। मैंने विनम्रतापूर्वक उनके निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया।''

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मोदी-ट्रंप के फोन कॉल के संबंध में एक बयान में कहा कि मोदी ने मंगलवार को कनाडा से लौटते समय ट्रंप के अमेरिका आने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया था।

मिसरी के बयान के अनुसार, मोदी ने कहा कि वह पहले से तय कार्यक्रम के कारण निमंत्रण स्वीकार नहीं कर सकते, और उन्होंने ट्रंप को इस वर्ष के अंत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया।

दोनों नेताओं की कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात होनी थी। हालांकि, इजराइल और ईरान में बढ़ते टकराव के बीच ट्रंप सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर अमेरिका चले गए। मोदी ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की पहली वर्षगांठ समारोह में भाग लिया और 18,600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की।

भारत में 19,500 से अधिक भाषाएं, बोलियां, ये 'विविधता में एकता' का प्रतीक : ओ'ब्रायन

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने देश में भाषा को लेकर छिड़ी बहस के बीच शुक्रवार को कहा कि भारत में 22 संवैधानिक मान्यता प्राप्त भाषाएं और 19,500 भाषाएं और बोलियां हैं तथा यह हमारे देश की 'विविधता में एकता' को दर्शाती हैं।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता ने एक वीडियो बयान में कहा कि 97 प्रतिशत लोग मान्यता प्राप्त भाषाओं में से एक का अपनी मातृभाषा के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन केंद्र यह नहीं समझता है। ओ'ब्रायन ने कहा, ''भारत में 97 प्रतिशत लोग संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त 22 भाषाओं में से किसी एक का अपनी मातृभाषा के रूप में इस्तेमाल करते हैं। करीब 19,500 भाषाओं और बोलियों का इस्तेमाल मातृभाषा के रूप में किया जाता है। यह हमारे महान राष्ट्र की 'विविधता में एकता' है। अमित शाह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनका 'गिरोह' इसे कभी नहीं समझ पाएंगे।'' उनकी यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अंग्रेजी भाषा पर की गई टिप्पणी के बीच आई है।

गंगा नदी की सफाई सिर्फ चुनावी जुमला बनकर रह गई है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में गंगा नदी की सफाई सिर्फ एक चुनावी जुमला बनकर रह गई है और यह विषय हर चुनाव से पहले अचानक याद आ जाता है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि राज्य में डबल इंजन की सरकार आम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बिहार के सिवान जिले में 5,900 करोड़ रुपए से अधिक की 28 विकास परियोजनाओं का शुक्रवार को उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। रमेश ने पोस्ट किया, ''विज्ञापन-जीवी प्रधानमंत्री एक बार फिर बिहार के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री चाहे जितनी फर्जी घोषणाएं कर लें, चाहे जितने फीते काटकर मुफ्त का विज्ञापन कर लें, सच्चाई यही है कि बिहार में डबल इंजन की सरकार आम जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह नाकाम रही है।''

पश्चिम बंगाल विधानसभा से भाजपा विधायकों ने किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में शुक्रवार को नेताजी सुभाष खेल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 पर आधे घंटे तक चली हंगामेदार बहस के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया।

हंगामा तब शुरू हुआ, जब शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु द्वारा विधेयक पेश किये जाने के तुरंत बाद भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष उसपर बोलने के लिए खड़े हुए। मंत्री बाबुल सुप्रियो ने घोष को टोकते हुए सवाल किया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों को उनकी बात क्यों सुननी चाहिए, जब वह (घोष) और भाजपा के अन्य सदस्य पिछले दिन प्रश्नकाल के समय मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के जवाब के दौरान सदन से चले गए थे। सुप्रियो का समर्थन करते हुए 100 से ज़्यादा तृणमूल विधायक अपनी जगह पर खड़े हो गए, जबकि विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने घोष को अपना भाषण जारी रखने की अनुमति दी। बनर्जी ने कहा, ''कल मुझे आपके और दूसरे भाजपा विधायकों के बयान हटाने पड़े, क्योंकि मंत्री के जवाब देने के दौरान आप चले गए थे। यह सदन का अपमान था, लेकिन मैं चाहता हूं कि सदन चले, इसलिए मैं चाहूंगा कि आप बोलें।''

बनर्जी ने कहा कि अक्सर विपक्षी विधायक किसी प्रस्ताव पर अपना भाषण खत्म करने के बाद अपने स्थान से चले जाते हैं, वे अपने सवालों पर मंत्रियों के जवाब सुनने का इंतजार नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं घोष से कहना चाहता हूं कि नियम के अनुसार उन्हें भाषण देने के बाद अपना स्थान नहीं छोड़ना चाहिए। मैं उनसे ऐसा वादा करने का अनुरोध करता हूं। वैसे तो उन्होंने (घोष ने) ऐसा नहीं किया, फिर भी मैंने उन्हें बोलने दिया, लेकिन वह इसके तुरंत बाद चले गए।''

कांग्रेस की असम इकाई का प्रचार कर रहे इस्लामिक देशों के 5,000 सोशल मीडिया अकाउंटः हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि 5,000 से अधिक 'सोशल मीडिया अकाउंट' कांग्रेस की असम इकाई का प्रचार एवं समर्थन करने के लिए सक्रिय हो गए हैं तथा इनमें से ज्यादातर 'अकाउंट' इस्लामिक देशों से संचालित होते हैं।

शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि ये 'अकाउंट' 47 देशों में सक्रिय है और इनमें से सबसे अधिक संख्या में सक्रिय 'अकाउंट' बांग्लादेश और पाकिस्तान में हैं। उन्होंने दावा किया कि ये 'अकाउंट' पिछले एक महीने से कांग्रेस की असम इकाई के एक विशेष नेता और पार्टी की राज्य इकाई के पेज की गतिविधियों पर खासतौर पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। शर्मा ने कहा, ''यह आश्चर्यजनक है कि वे राहुल गांधी या यहां तक कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पोस्ट पर भी टिप्पणी या 'लाइक' नहीं करते। वे केवल एक विशेष नेता और कांग्रेस की असम इकाई पर ध्यान केंद्रित करते हैं।'' उन्होंने कहा कि असम के अलावा वे इस्लामी कट्टरपंथी सामग्री पोस्ट करते हैं जिसमें फलस्तीन, ईरान और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस संबंधी पोस्ट शामिल हैं।

हालांकि मुख्यमंत्री ने किसी नेता का नाम नहीं लिया लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वे गौरव गोगोई का जिक्र कर रहे थे जिन्हें पिछले सप्ताह मई में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। शर्मा ने कहा, ''हमें राज्य में पार्टी नेतृत्व में बदलाव से कोई लेना देना नहीं है लेकिन यह घटनाक्रम पिछले महीने हुआ है और इसका कुछ संबंध अवश्य है।'' उन्होंने कहा, ''2026 के विधानसभा चुनावों से पहले असम की राजनीति में बहुत अधिक विदेशी हस्तक्षेप है और ऐसा पहली बार हो रहा है।'' मुख्यमंत्री ने इसे ''राष्ट्रीय सुरक्षा'' का मुद्दा बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार को इससे अवगत करा दिया गया है।

सुविचार

प्रेम के बगीचे में राधा वो फूल थीं, जिनकी खुशबू ने कृष्ण को हमेशा के लिए मोहित कर लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दमन और दुष्प्रचार का चीनी मॉडल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने 'चीन द्वारा तिब्बत एवं हिमालयी क्षेत्र में बौद्धों की पहचान और उनकी संस्कृति को कमजोर करने की कोशिश' के बारे में जो खुलासा किया है, उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्दा बनाने की जरूरत है। इस समय जहां कई देशों के बीच तनाव का माहौल है और सैन्य संघर्ष चल रहे हैं, चीन चुपचाप अपनी साजिशों में लगा हुआ है। चूंकि चीन में मीडिया पूरी तरह सरकार द्वारा नियंत्रित है, इसलिए बहुत कम जानकारी ही बाहर आती है। चीन तिब्बती बौद्धों की न सिर्फ पहचान खत्म कर रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को भ्रमित करने की कोशिश भी कर रहा है। चीन का सरकारी मीडिया दलाई लामा के बारे में खूब दुष्प्रचार करता है। उसकी वेबसाइट पर ऐसी ढेरों झूठी कहानियां मौजूद हैं, जिनमें दावा किया जाता है कि 'पहले तिब्बत बहुत गरीब था ... लोगों के पास खाने-पीने के लिए कुछ नहीं था ... जब कोई त्योहार आता तो आम लोगों का सबसे बड़ा सपना यह होता था कि वे पेट भरकर खाना खाएं!' जब तिब्बती किशोर और युवा ऐसी मनगढ़ंत कहानियां पढ़ते हैं, तो उनके मन पर क्या प्रभाव पड़ता है? कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर तिब्बती बच्चों के एक वीडियो ने बहुत लोगों का ध्यान आकर्षित किया था, जिसमें उनकी दिनचर्या दिखाई गई थी। वे बच्चे सुबह उठते हैं, हाथ-मुंह धोते हैं, नाश्ता करते हैं। उसके बाद अपनी पाठ्यपुस्तकें निकालकर जोर-जोर से पढ़ते हैं। वे चीनी भाषा की पुस्तकें थीं, जिनमें सीसीपी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कथित महानता के किस्से लिखे हुए थे।

चीन में 91 प्रतिशत से ज्यादा आबादी 'हान' जाति के लोगों की है। उन्हें तिब्बत में बसाया जा रहा है, ताकि डेमोग्राफी बदल जाए। इसके तहत हान युवकों की तिब्बती युवतियों से शादियां कराई जा रही हैं। चीनी मीडिया ऐसे दंपतियों के इंटरव्यू खूब प्रसारित करता है। वह उन्हें बहुत खुशहाल दिखाता है। ऐसी शादियों को सफलता और सौभाग्य की कुंजी बताता है। उदाहरण के लिए, एक तिब्बती युवती की कहानी इस तरह पेश की गई थी कि उसके परिवार के पास जमीन थी, लेकिन वे गरीब थे। बाद में उस युवती की शादी एक ऐसे चीनी युवक से हुई, जिसे उद्यान विज्ञान की जानकारी थी। उसकी मदद से वह परिवार फलों-सब्जियों की खेती करने लगा। चीनी युवक के संपर्कों के कारण देश के कई हिस्सों से फलों-सब्जियों के ऑर्डर आने लगे। चीनी सरकार का भी सहयोग मिला। इस तरह वह परिवार गरीबी से उबर गया! ऐसी कहानियां 'एक तीर से कई शिकार' करती हैं। वे तिब्बती परिवारों के मन में यह विचार पैदा करती हैं कि चीनी लोगों के साथ ऐसा मेलजोल उन्हें समृद्ध बनाएगा। सीसीपी और चीनी सरकार, जिनका किरदार कई सवालों के घेरे में है, को तिब्बतियों की हितैषी बताया जाता है। जिस पार्टी और सरकार ने तिब्बत पर अवैध कब्जा कर लिया, लोगों की स्वतंत्रता छीन ली, वे उनकी हितैषी कैसे हो सकती हैं? तिब्बत के गांवों में अपनी जड़ें जमाने के लिए चीन ने जो शिगूफा छोड़ा है, वह है- गरीबी उन्मूलन। वह हर महीने कुछ ग्रामीण महिलाओं को आगे लाकर उनके बारे में इस तरह प्रचार करता है कि 'पहले ये घोर गरीबी का सामना कर रही थीं ... जब से सरकार की मदद मिली है, इनके दिन ही फिर गए!' लोगों का देश हड़पकर उनकी गरीबी दूर करने का विचित्र फॉर्मूला चीन के पास है। वह दलाई लामा के उत्तराधिकार के संबंध में जो पैंतरा आजमा रहा है, उससे सावधान रहने और उसका पर्दाफाश करने की जरूरत है। तिब्बत में किया जा रहा सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव भारत के लिए भी चुनौती है।

ट्वीटर टॉक

कई बार ऐसी परिस्थितियां होती हैं कि नामांकन भले कम हो परन्तु उन विद्यालयों को जारी रखना आवश्यक होता है जैसे कहीं बड़ी कंस्ट्रक्शन साइट के पास मजदूरों के बच्चे पढ़ें या दो स्कूलों के बीच बड़ा हाईवे हो जिसे बच्चे पार न कर सकें।

-अशोक गहलोत

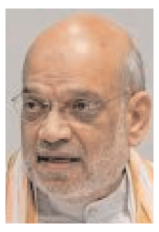

भारतीय समाज को अपने इतिहास, संस्कृति व परंपरा के प्रति हर युग में चेतना संपन्न बनाने में साहित्य का अमूल्य योगदान रहा है। दिल्ली में श्री आशुतोष अग्निहोत्री जी द्वारा लिखित 'मैं बूँद स्वयं, खुद सागर हूँ' पुस्तक का विमोचन किया।

-अमित शाह

परोपकार और राजधर्म से एक नई पहचान दिलाने वाले महान प्रजापालक राव राजा कल्याण सिंह जी की जयंती पर मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ। आपके अद्वितीय नेतृत्व, दूरदर्शी सोच और विकासोन्मुख कार्य ने सीकर को एक समृद्ध और आधुनिक स्वरूप प्रदान किया।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

समय का मूल्य

एक पुस्तक-प्रेमी व्यक्ति था। वह नियमित रूप से विभिन्न पुस्तकों की दुकानों पर जाता, उन्हें ध्यानपूर्वक देखता और मूल्य का आकलन करता। एक दिन अचानक उसकी नज़र एक नई पुस्तक दुकान पर पड़ी। कुछ देर बाद उसने एक पुस्तक को उठाया और पास खड़े कर्मचारी से पूछा, 'इस पुस्तक की कीमत क्या है?' कर्मचारी ने उत्तर दिया, 'एक डॉलर।' पुस्तक-प्रेमी ने कहा, 'क्या इसमें कुछ कमी नहीं हो सकती?' कर्मचारी ने मना कर दिया। अब उस व्यक्ति ने दुकान के मालिक से मिलने की इच्छा जताई। मालिक आए तो उसने वही प्रश्न दोहराया, 'आप यह पुस्तक कम से कम कितने में देंगे?' मालिक मुस्कराते हुए बोले, 'सवा डॉलर।' व्यक्ति चौंका और बोला, 'आपके कर्मचारी ने तो इसका मूल्य एक डॉलर बताया था!' मालिक बोले, 'उसने बिल्कुल सही बताया। लेकिन जो मूल्य मैंने बताया है, वह मेरे समय का है।' फिर उस व्यक्ति ने अंतिम मूल्य बताने को कहा, तो मालिक बोले, 'अब इसका मूल्य डेढ़ डॉलर है। आप जितनी देर करेंगे, कीमत उतनी ही बढ़ती जाएगी, क्योंकि समय का भी मूल्य होता है।' आखिरकार उस व्यक्ति ने वह पुस्तक डेढ़ डॉलर में खरीदी।

सामयिक

योग-क्रांति से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

धर्म, हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया शांति एवं अमन चाहती है और इसका सशक्त माध्यम है योग। इंसान से इंसान को जोड़ने, शांति का जीवन जीने एवं स्वस्थ जीवन के लिये भारतीय योग के महत्व को दुनिया ने स्वीकारा है। योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है, यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का आधार है, संयम और अहिंसा प्रदान करने वाला तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। योग के व्यापक मानवहितकारी महत्व के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिये गये अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सर्वप्रथम इसे 21 जून 2015 को पूरे विश्व में मनाया गया। इस वर्ष 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने योग दिवस की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' रखी है। इसे आसान भाषा में समझें तो एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगा' है। इसका मतलब है कि जिस तरह से पृथ्वी एक है ठीक उसी प्रकार से हमारा स्वास्थ्य भी एकमात्र है, जिसे हमें दुरुस्त रखने की जरूरत है। इसी से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव है।

आज जबकि मनुष्य जीवन अनेक असाध्य बीमारियों से जूझ रहा है, ऐसे जटिल स्वास्थ्य-संकट के दौर में इस थीम का मुख्य उद्देश्य है कि हमें हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य एकमात्र ऐसी चीज है, जिसके सहारे आप अपना स्वस्थ जीवन जीते हुए न केवल परिवार, समाज, राष्ट्र बल्कि विश्व के लिये एक ऊर्जा, एक शक्ति एवं एक गति बन सकते हो। प्रधानमंत्री मोदी ने योग को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने वाली जीवनशैली के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने समाज के सभी वर्गों में योग की पहुंच बढ़ाने और स्वस्थ, खुशहाल और अधिक सामंजस्यपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए योग को एक साधन के रूप में उपयोग करने की दिशा में संयुक्त प्रयासों की अपील की। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि अपने भीतर एकता की भावना, अहिंसा एवं शांति, दुनिया और प्रकृति की खोज है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न महासंकट से निपटने में मदद कर सकता है।

योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है। आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख स्वस्थ-शांतिपूर्ण जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है, जिसकी आज विश्व मानवता को सर्वाधिक अपेक्षा है।

एक ऐसे विश्व में रहने की कल्पना करें जहां आपकी प्रत्येक सांस मानसिक शांति, शारीरिक शक्ति और हमारे साझा ग्रह पर सद्भाव को बढ़ावा देती हो। एक समय में एक मुद्रा, एक श्वास, एक क्षण, यह जानने के लिए कि योग किस प्रकार आपके जीवन और आपके आस-पास की दुनिया को बदल सकता है, योग दिवस का मुख्य ध्येय है। मनुष्य, पशु और पौधे सहित सभी जीवित प्राणी हमारे ग्रह को अपना घर मानते हैं। हमें प्राकृतिक दुनिया के साथ शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व बनाए रखते हुए इसकी देखभाल करनी चाहिए। योग हमें सद्भावना से रहना, सचेत रहना और समझदारी-विवेक से निर्णय लेना सिखाता है। हम योग का अभ्यास करके पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। पर्यावरण की स्थिति का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जब हम अपने पर्यावरण और खुद का ख्याल रखते हैं तो सभी को फायदा होता है। विश्व अनेक स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी समस्याओं का सामना कर रहा है, जिनमें प्रदूषण, तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ शामिल हैं। योग शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक त्वरित, प्राकृतिक साधन है।

अभी कुछ दिन पहले ही समाचारपत्रों में पढ़ा कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते, उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है।

हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम अपनी कमजोरियों पर ही नहीं, बल्कि उनसे उबरने के रास्तों पर भी विचार करेंगे। यहीं से हमारी तरक्की का रास्ता खुलता है और इसके लिये योग ही प्रभावी माध्यम है। हम अपनी समस्या को समझें और अपना समाधान खोजें। समस्याएं परेशान करती हैं। जरूरत खुद को काबू में रखने की होती है, हम दूसरों को काबू में करने में जुटे रहते हैं। आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्वेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी हैं, उसका कारण भी योग का अभाव ही है। विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लडने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे।

योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। आज जरूरत है कि हम अपनी समस्याओं के समाधान के लिये औरों के मुंहताज न बने। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले।

भगवान महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- पुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता है।' औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है। आधुनिक भौतिकवादी एवं सुविधावादी जिंदगी मनुष्य को अशांति, असंतुलन, तनाव, थकान तथा चिड़चिड़ाहट की ओर धकेल रही हैं, जिससे अस्त-व्यस्तता बढ़ रही है। ऐसी विषमता एवं विसंगतिपूर्ण जिंदगी को स्वस्थ तथा ऊर्जावान बनाये रखने के लिये योग एक ऐसी रामबाण दवा है जो माइंड को कूल तथा बॉडी को फिट रखता है। योग से जीवन की गति को एक संगीत एवं शांतिमय रफ्तार दी जा सकती है। योग में गहरी दिलचस्पी लेने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक महान संकल्प लेकर उसे कार्यान्वित किया है। निश्चित ही उनकी योग-क्रांति विश्व मानवता के जीवन में विकास, अहिंसा, सुख और शांति का माध्यम बन रही है। आंतरिक व आत्मिक विकास, मानव कल्याण से जुड़ा यह विज्ञान सम्पूर्ण दुनिया के लिए एक महान तोहफा है।

विशेष

योग से मिला स्वस्थ जीवन का वरदान

नंदकिशोर अग्रवाल
मोबाइल : 9945395760

हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषियों ने मानवता के हित में विश्व को योग विद्या दी थी। आज सारी दुनिया योग के महत्व को समझते हुए उसे अपनी दिनचर्या का अंग बना रही है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने पुष्टि की है कि योग से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि दीर्घ काल तक कई फायदे होते हैं। प्राचीन भारतीय प्रणालियां शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की जरूरत का संपूर्ण निदान हमारे अपने योग में है।

व्यक्ति के शरीर, मन, भावना और ऊर्जा के स्तर पर काम करता है योग।योग विद्या' एक ऐसी शक्ति है जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। योग आत्मा को परमात्मा से, मनुष्य को मनुष्य से व एक देश को दूसरे देश से जोड़ने का मूल मंत्र है। हमारी महान प्राचीन भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना योगाभ्यास के माध्यम से ही साकार हो सकती है।

भारत के दर्शन में हमेशा 'सर्वेभवंतु सुखिनः' 'सर्वे संतु निरामया:' वाला भाव ही रहा है। आप स्वस्थ रहें, निरोग रहे, योग करते रहे और हमेशा सपरिवार खुश रहे। ध्यान रहे 'योग मानवता के लिए' है। योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है व शरीर पर सकारात्मक असर पड़ता है। योग स्वास्थ्य का प्रतीक होने के साथ-साथ प्राणी मात्र के कल्याण की भावना, प्रकृति के प्रति प्रेम तथा विश्व बंधुत्व का भी संवाहक है।

भारतभूमि अनादिकाल से पूरे विश्व में योग भूमि के रूप में विख्यात रही है, जिसका लाभ अब संपूर्ण विश्व को मिल रहा है। भारत में सदियों से योग का प्रचार-प्रसार रहा है लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2015 से हर वर्ष 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा के बाद लगभग पूरी दुनिया योग के महत्व को जान चुकी है। स्वयं की स्वयं के माध्यम से स्वयं तक पहुंचने की यात्रा का नाम योग है।

नजरिया

मन की शांति एवं स्वस्थ जीवन की कुंजी है योग

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'
मोबाइल : 7070769339

योग एक साधना है, साधना का तात्पर्य है 'ध्यान' एवं 'निष्ठा'। ध्यान से तात्पर्य है मन की एकाग्रता और पूर्ण जागरूकता, जहाँ मन एक बिंदु पर स्थिर होकर विकर्षणों से मुक्त रहता है। निष्ठा का अर्थ है पूर्ण समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य के प्रति सच्चाई। योग के माध्यम से ध्यान और निष्ठा का अभ्यास करने से मानसिक शांति, आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक विकास के साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है।

योग साधना प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। मनुष्यों की निरोगता के लिए प्राचीन ग्रंथ 'योग सूत्र' की रचना महर्षि पतंजलि ने की थी। आयुर्वेद के महान आचार्य चरक की प्रमुख कृति चरक संहिता है, जो प्राचीन भारतीय आयुर्वेद का एक मूलभूत ग्रंथ है। यह ग्रंथ चिकित्सा विज्ञान, स्वास्थ्य, रोग निदान, उपचार, और जीवनशैली से संबंधित विस्तृत ज्ञान प्रदान करता है।

स्वस्थ रहना मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, और हमारे शरीर में वह शक्ति विद्यमान है, जो हमे स्वस्थ रखने सक्षम बनाती है। योग के माध्यम से मानसिक शांति और शारीरिक संतुलन की प्राप्ति मन एवं तन को प्रसन्न एवं स्वस्थ बनाए रखती है। मनुष्य अपने नियमित जीवनशैली में योग साधना' को अपनाकर अस्पताल एवं जटिल औषधी जैसी आवयश्कता से दूर रह सकता है।

वर्तमान में मानसिक तनाव एक गंभीर समस्या बन गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (थकज) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लगभग 450 मिलियन लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हैं, और भारत में यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में लगभग 20 प्रतिशत आबादी (यानी करीब 25-30 करोड़ लोग) किसी न किसी रूप में मानसिक तनाव, चिंता, या अवसाद से ग्रस्त है। भागदौड़ वाली जीवनशैली और अस्वस्थ कैमिकल युक्त आहार के कारण लोग मानसिक एवं शारीरिक रूप से बीमार हो रहे है। शरीर और मन का स्वस्थ रहना शरीर के अंदर के अंगों का नियमित स्वस्थ रूप में सक्रिय रहने पर आधारित है। जब शरीर के अंग सक्रिय होते है, तब प्रतिरोधक शक्ति अच्छी होती है और कोई भी औषधि काम करती है। मानसिक रूप से शक्तिशाली बनाए रखने एवं शारीरिक अंगों की सक्रियता बनाए रखने के लिए योगासन एक महत्वपूर्ण अभ्यास है।

आजकल लोग शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जिम ज्वाइन करना पसंद करते हैं, क्योंकि यह तेजी से मांसपेशियों का निर्माण, वजन कम करने और फिटनेस बढ़ाने में मदद करता है। हालांकि, व्यस्त जीवनशैली और आर्थिक सीमाओं के कारण हर कोई जिम के लिए समय या धन नहीं निकाल पाता। इस संदर्भ में योग और आसन एक बेहतर विकल्प हैं। प्राचीन भारतीय सभ्यता का हिस्सा, योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करता है। चरक संहिता में भी योग और संतुलित जीवनशैली को स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया गया है।

दिल्ली आईआईएमएस के एक अध्ययन के अनुसार, योग करने वालों में सत्त्वगुण (शांति, संतुलन) की वृद्धि होती है, जबकि जिम करने वालों में रजोगुण (उत्तेजना) और तमोगुण (निष्क्रियता) अधिक देखे गए। साथ ही बढ़ती उम्र के साथ जिम अपना प्रभाव खो सकता है लेकिन योग साधना का प्रभाव स्थायी होता है। अपनी व्यस्त जीवन से थोड़ा सा समय निकाल योग साधना को अपनाए।

कई लोग योग शुरू करने में दुविधा या डर महसूस करते हैं, सोचते हैं कि योग आसन कठिन हैं या उनके लिए नहीं। लेकिन किसी भी कार्य की शुरुआत सरलता से होती है। पहले आसान चीजों का अभ्यास करें, और धीरे-धीरे आप स्वयं आगे बढ़ जाएँगे।

योगासन की शुरुआत सरलता से करें। ताड़ासन, सुखासन जैसे आसान आसनों से शुरुआत करें, प्राणायाम और ध्यान जोड़ें, और नियमित अभ्यास करें। ध्यान और निष्ठा के साथ योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य देता है, बल्कि मानसिक शांति और स्थायी लाभ भी प्रदान करता है। अपनी क्षमता के अनुसार समय को धीरे धीरे आगे बढ़ाएं।

स्वस्थ शरीर में ही, स्वस्थ मन का निवास होता है। इसलिए योगासन स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, साथ ही योग विद्या में आहार नियमों का पालन भी जरूरी है। अपने स्वस्थ गुणों के कारण आज योग पूरे संसार में फैल चुका है। डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इसका महत्व स्वीकार कर रहे है और लोगों को योग अपनाने की सलाह दे रहे है। योग से मन की शांति और शरीर की शक्ति, दोनों का मिलन होता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेंधा नमक के निर्यात पर भारत में प्रतिबंध के बाद नए बाजार तलाश रहा पाकिस्तान

कराची/भाषा। सेंधा नमक की खास किस्म 'हिमालयन पिंक सॉल्ट' के निर्यात पर भारत में रोक लगाए जाने के बाद से पाकिस्तान के स्थानीय कारोबारियों ने अब नए बाजार तलाशने शुरू कर दिए हैं।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से व्यापारिक संबंध पूरी तरह तोड़ दिए हैं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान इस खास किस्म के सेंधा नमक के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। पंजाब प्रांत में स्थित खेवड़ा में पाकिस्तान की सबसे बड़ी सेंधा नमक की खदान है और इसमें 30 प्रसंस्करण इकाइयां हैं। पाकिस्तान ने वर्ष 2024 में कुल 3,50,000 टन सेंधा नमक का निर्यात किया था जिसकी अनुमानित कीमत 12 करोड़ डॉलर है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद लगे व्यापार प्रतिबंधों से इस सेंधा नमक के निर्यातकों को झटका लगा है, जिसकी भारत में काफी मांग है।

सेंधा नमक और उससे जुड़े उत्पादों की निर्यातक गनी इंटरनेशनल के वरिष्ठ निदेशक मंसूर अहमद ने कहा, ''भारत पाकिस्तान से इस सेंधा नमक का सबसे बड़ा आयातक रहा है। प्रतिबंध का मतलब है कि उस देश को कोई निर्यात नहीं हो रहा है।''

मंसूर ने दावा किया, ''कई वर्षों से भारतीय आयातक पाकिस्तान से कच्चा सेंधा नमक आयात करते रहे हैं और फिर इसका प्रसंस्करण एवं पैकिंग करके ऊंची कीमतों पर भारतीय उत्पाद के रूप में अन्य देशों में बेचा/निर्यात किया जाता है।'' उन्होंने कहा कि भारत, पाकिस्तान और चीन के साथ नमक के शीर्ष तीन निर्यातकों में शामिल है। लेकिन केवल पाकिस्तान ही हिमालयी सेंधा नमक का उत्पादन करता है, भारत या चीन नहीं। हालांकि, पाकिस्तान के निर्यातक इस प्रतिबंध से चिंतित नहीं हैं, क्योंकि इसमें उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। पाकिस्तान नमक विनिर्माता संघ की प्रमुख साइमा अख्तर ने कहा कि पाकिस्तान के सेंधा नमक की पहले से ही विश्व स्तर पर भारी मांग हैं।' उन्होंने कहा, ''जब हमने इसे भारत में निर्यात किया, तो भारतीय खुदरा बाजार में नमक 45 से 50 रुपए प्रति किलोग्राम पर बेचा गया।

तैनाती

भारतीय नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस टेग मॉरीशस के दक्षिण पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी परिचालन तैनाती के तहत पोर्ट लुइस पहुंचो।

'विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षत्र में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण'

लंदन/भाषा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की उभरती महत्वपूर्ण भूमिका के कारण ब्रिटेन को उसके साथ वैज्ञानिक और शैक्षणिक संबंधों को बेहतर बनाना चाहिए। ब्रिटेन के विज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार मंत्री ने यह बात कही है। लॉर्ड पैट्रिक वैलेंस ने बृहस्पतिवार को लंदन के विज्ञान संग्रहालय में 'इंडिया ग्लोबल फोरम' के 'फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम' में 'अभिनव पहल के नवीन युग में ब्रिटेन भारत गठजोड़ का प्रारंभ' विषय पर एक सत्र के दौरान 'ग्लोबल टैलेंट वीजा' के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा उच्च-कुशल पेशेवरों को ब्रिटेन को आमंत्रित करने और सभी क्षेत्रों में कौशल का उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री ने खुलासा किया कि ब्रिटेन सरकार की बहुप्रतीक्षित औद्योगिक रणनीति कुछ ही हफ्तों में जारी की जाएगी। इस रणनीति में भारत के साथ इस तरह की साझेदारी के लिए चुनिंदा क्षेत्रों का खाका तैयार किया जाएगा।

वैलेंस ने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच पहले से ही मजबूत संबंध हैं और मुझे लगता है कि यह और भी मजबूत हो रहे हैं।'

ईरान के सहयोगी कौन-कौन हैं और अमेरिका के इजराइल से हाथ मिलाने पर क्या कोई युद्ध में उतरेगा?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न। इजराइल द्वारा ईरान पर हमले जारी रखने के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वैश्विक नेता इस इस्लामिक देश के खिलाफ अपना रुख कड़ा कर रहे हैं। ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका द्वारा हमला करने पर विचार करते हुए ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता को धमकी देते हुए दावा किया कि उन्हें पता है कि वह कहां छिपे हैं। ट्रंप ने दावा किया वह ईरान के शीर्ष (धार्मिक) नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को ''आसानी से निशाना'' बना सकते हैं।

ट्रंप ने ईरानी नेता से ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने की मांग की है। इस बीच, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने अपना रुख कड़ा करते हुए ईरान से पूरी तरह अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ने की मांग की है।

क्या ईरान पर दबाव बढ़ने के कारण उसे अकेले ही लड़ना पड़ेगा? या फिर उसके पास ऐसे सहयोगी हैं जो उसकी मदद कर सकते हैं?

क्या ईरान का 'प्रतिरोध आधार' पूरी तरह ध्वस्त हो गया है? ईरान लंबे समय से अपनी प्रतिरोध रणनीति के तहत पश्चिम एशिया में सहयोगी अर्धसैनिक समूहों के नेटवर्क पर निर्भर रहा है। इस दृष्टिकोण ने लगातार धमकियों और दबाव के बावजूद, अमेरिका या इजराइल द्वारा सीधे सैन्य हमलों से इसे काफी हद तक बचाया है।

इस तथाकथित 'प्रतिरोध आधार' में लेबनान में हिज्बुल्ला, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस (पीएफएफ), यमन में हूती आतंकवादियों के साथ ही गाजा में हमास जैसे समूह शामिल हैं। ईरान सीरिया में बशर अल-असद की सरकार का भी समर्थन करता रहा है लेकिन पिछले साल उसे सत्ता से हटा दिया गया।

हालांकि, पिछले दो वर्ष में इजराइल ने इस नेटवर्क को भारी नुकसान पहुंचाया है।

एक समय में ईरान के सबसे शक्तिशाली गैर-सरकारी सहयोगी रहे हिज्बुल्ला को इजराइल ने महीनों तक हमले कर पस्त कर दिया है। लेबनान में इसके हथियारों के भंडार को व्यवस्थित तरीके से निशाना बनाया गया और नष्ट कर दिया गया। साथ ही इस समूह को अपने सबसे प्रभावशाली नेता हसन नसरल्लाह की हत्या से बड़ी मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक क्षति हुई। सीरिया में असद सरकार के पतन के बाद ईरान समर्थित मिलिशिया को बड़े पैमाने पर खदेड़ दिया गया है, जिससे ईरान का क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण आधार छिन गया है। हालांकि, ईरान, इराक और यमन में मजबूत प्रभाव बनाए हुए है।

इराक में पीएमएफ के पास करीब 2,00,000 लड़ाके हैं, जो कि एक बहुत बड़ी ताकत है। यमन में हूतियों के पास भी इतने ही लड़ाकों का दल है।

यदि स्थिति ईरान के लिए अस्तित्व का खतरा बन जाती है, जो कि क्षेत्र में एकमात्र शिया नेतृत्व वाला देश है तो धार्मिक एकजुटता इन समूहों को सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकती है। इससे पूरे क्षेत्र में युद्ध का तेजी से विस्तार होगा।

फिल्म '120 बहादुर' में मेजर शैतान सिंह पीवीसी की कहानी दिखाई जाएगी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता फिल्मकार फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर में मेजर शैतान सिंह पीवीसी की कहानी दिखाई जायेगी। फिल्म 120 बहादुर में मेजर शैतान सिंह पीवीसी की कहानी दिखाई गई है, एक ऐसे जांबाज़ सिपाही जिनकी बहादुरी ने 1962 की भारत-चीन जंग में भारतीय सेना की सबसे ऐतिहासिक आखिरी लड़ाइयों में से एक को अमर बना दिया। वर्ष 1924 में राजस्थान में जन्मे मेजर शैतान सिंह पीवीसी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के कमांडिंग अफसर थे। 18 नवंबर 1962 को लद्दाख के बर्फ से ढके रेजांग ला पर उन्होंने और उनकी टुकड़ी के 119 जवानों ने भारी चीनी हमले का डटकर सामना किया।

उनकी बहादुरी की वजह से चुशूल एयरस्ट्रिप की हिफाजत हो सकी और उनका नाम हमेशा के लिए वीरता की मिसाल बन गया। अपनी बेमिसाल नेतृत्व क्षमता और बलिदान के लिए मेजर शैतान सिंह को मरणोपरांत परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया, जो भारत का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान है। 120 बहादुर को रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अमित चंद्रा ने एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

फिल्म का निर्देशन रजनीश 'रेज़ी' घई ने किया है। कहानी और स्क्रीनप्ले राजीव जी. मेनन ने लिखी है, डायलॉग सुमित अरोड़ा के हैं। म्यूज़िक अमित त्रिवेदी का है और गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट की यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है।

'द हंटः द राजीव गांधी असैसिनेशन केस' चार जुलाई से सोनी लिव पर होगा प्रसारित

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता डी.आर. कार्तिकेयन अभिनीत थ्रिलर सीरीज द हंट: द राजीव गांधी असैसिनेशन केस चार जुलाई से सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट और कुकुनूर मूवीज़ के सहयोग से बनी यह सीरीज़ चर्चित खोजी पत्रकार अनिरुद्ध मित्रा की बेस्टसेलर किताब नाइंटी डेज़ पर आधारित है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नागेश कुकुनूर निर्देशित और रोहित बनावलिकर एवं श्रीराम राजन के साथ सह-लिखित 'द हंट: द राजीव गांधी असैसिनेशन केस सीरीज़ देश को हिला देने वाली उस ऐतिहासिक जांच को सामने लाती है, जिसमें जासूसी, वफादारी, खुफिया विफलताएं और न्याय की कीमत जैसे विषय गहराई से जुड़े हैं। इस दमदार थ्रिलर में डी.आर. कार्तिकेयन (चीफ, एसआईटी) के रूप में अमित सियाल, अमित वर्मा (एसपी-सीबीआई) के रूप में साहिल वैद, रघोथमन (डीएसपी-सीबीआई) के रूप में भगवती पेरूमल, अमोद कंठ (डीआईजी-सीबीआई) के रूप में दानिश इक़बाल, राधाविनोद राजू (डीआईजी-सीबीआई) के रूप में गिरीश शर्मा और कैप्टन रविंद्रन (एनएसजी कमांडो) के रूप में विद्युत गर्ग जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आयेंगे।

अमित सियाल ने कहा, यह सिर्फ किसी अपराध की जांच पर आधारित सीरीज़ नहीं है, बल्कि उन अदृश्य ताकतों की कहानी है जो इतिहास को प्रभावित करती हैं। इस किरदार ने मुझे सत्ता, दुख और न्याय के सबसे गहरे पहलुओं को समझने का मौका दिया। इस सच्चे और संघर्षशील किरदार को निभाना मेरे लिए एक सम्मान की बात है।

जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी 'स्पेशल ऑप्स 2'

नई दिल्ली/एजेन्सी

फ्राइडे स्टोरीटेलर्स निर्मित और नीरज पांडे रचित स्पेशल ऑप्स 2, 11 जुलाई से जियोहॉटस्टार पर, मॉडर्न जासूसी की नई परिभाषा लेकर आ रहा है. इस बार दिल्ली की फिज़ाओं में सिर्फ़ राजनीति नहीं, खुफिया मिशनों की सनसनी भी तैर रही है स्पेशल ऑप्स 2 की ताक़तवर टीम राजधानी दिल्ली पहुंची। इस दौरान शो के प्रमुख चेहरे के के मेनन, नीरज पांडे, शिवम नायर, करण टैकर, ताहिर राज भसीन और विनय पाठक एक मंच पर एकत्रित हुए. सभी ने अपने-अपने किरदारों, कहानी की परतों और स्पेशल ऑप्स की बढ़ती दुनिया को लेकर दिलचस्प अनुभव साझा किए। क्रिएटर नीरज पांडे से जब पूछा गया कि क्या इस सीजन की कहानी असली इंटेलिजेंस से प्रेरित है, तो उन्होंने कहा, साइबर सुरक्षा और डिजिटल खतरों को अब हम भविष्य की नहीं, आज की चुनौती के रूप में देख रहे हैं। जिस तरह हम डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान और लेनदेन को संभालते हैं, वो हमें और अधिक असुरक्षित बनाता है।

इस सीजन में जो कुछ आप देखेंगे, वो काफी हद तक असली खुफिया अधिकारियों से मिली बातचीत और उनके अनुभवों से प्रेरित है। असलियत ही हमेशा हमारी कहानी का आधार रही है। के के मेनन, जो एक बार फिर 'हिम्मत सिंह' के किरदार में नज़र आएंगे, ने कहा, एक अभिनेता के लिए सबसे आसान चीज़ तब होती है जब लेखन बेहतरीन हो। बस संवादों के पीछे छिपे भाव को समझना होता है, और वही निभाना होता है। जो भी आपने देखा या महसूस किया, उसका सारा श्रेय लेखन को जाता है।

करण टैकर, जो इस सीजन में और भी मज़बूत भूमिका में हैं, ने कहा, किसी भी किरदार का विकास लेखन के ज़रिए ही होता है, और इसका पूरा श्रेय जाता है नीरज सर को। इस बार की कहानी में एक्शन, ड्रामा और इमोशन,सब कुछ कई गुना बढ़ गया है। स्पेशल ऑप्स का यूनिवर्स अब और भी विशाल हो गया है।

पहली बार स्पेशल ऑप्स की दुनिया में कदम रखते हुए ताहिर राज भसीन ने साझा किया, मेरे लिए सबसे रोचक बात यह थी कि जब मुझे किरदार के बारे में बताया गया, तो ये एक आम खलनायक जैसा नहीं था। यहां इस किरदार की एक ठोस पृष्ठभूमि है, उसके कुछ अपने सिद्धांत हैं। और वो उन्हीं सिद्धांतों के आधार पर लोगों और परिस्थितियों को मोड़ता है। ये एक ग्रे ज़ोन है, और उसी में इसकी दिलचस्पी है। विनय पाठक, जो एक बार फिर 'अब्बास शेख' के रूप में वापसी कर रहे हैं, ने बड़े ही सहज लेकिन गूढ़ अंदाज़ में कहा, काम एक बार कर लिया तो समझो खाना खा लिया, अब यदि उसी प्लेट से दोबारा खाना हो तो मेहनत बढ़ जाती है। इसके साथ ही उन्होंने अपने खास अंदाज़ में दिल्ली पुलिस को लेकर भी एक बात जोड़ी, दिल्ली पुलिस देश की सबसे होशियार फोर्स है। हम सभी को कभी न कभी उनका अनुभव हुआ होगा मुझे भी हुआ है! वो तेज़ हैं, सड़क-समझदार हैं और हमेशा अलर्ट रहते हैं।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर शुरू होगा नया शो 'आमी डाकिनी'

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर नया शो आमी डाकिनी 23 जून से शुरू होगा। आहट के साथ दर्शकों को डराने के बाद, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन नया शो आमी डाकिनी लेकर आ रहा है आमी डाकिनी एक ऐसी कहानी है जो कई जन्मों से चला आ रहे प्यार दिखाती है। डाकिनी उस मोहब्बत को फिर से पाने लौटती है जो कभी उसका था। लोगों को वो बीते वक्त की परछाईं लगे, लेकिन उसका लौटना सिर्फ़ अपनी अधूरी मोहब्बत को पूरा करने के लिए है। इस नई कहानी की जान है डाकिनी, जो दिखने में तो बेहद खूबसूरत है, लेकिन उतनी ही ज़िद्दी भी। उसे सिर्फ़ एक ही चीज़ चाहिए और वो है अपना खोया हुआ प्यार उसका पति। उसके इस सफर में प्यार और जुनून, सुंदरता और विनाश के बीच की रेखाएं मिट जाती हैं। राज़ों और सायों से भरी इस दुनिया में अगर कोई उसके रास्ते में आता है, तो वो ज़िंदा नहीं बचता। आमी डाकिनी को खास बनाती है न सिर्फ़ इसकी थ्रिल से भरपूर कहानी, बल्कि उसमें रची-बसी गहराई और इमोशन्स का वो ताना-बाना, जो दिल को छू जाता है। डाकिनी के किरदार को पर्दे पर शीन दास जीवंत कर रही है। अपने अनुभव को शेयर करते हुए शीनदास ने कहा,ये रोल अब तक की मेरी हर परफॉर्मेंस से अलग है।

डाकिनी एक बेहद इंटेंस कैरेक्टर है, जिसमें इतनी परतें हैं कि हर लेवल पर चैलेंज मिलता है। वो ताकतवर है, तेज़ है और अपनी बातों के लिए कभी माफ़ी नहीं मांगती। इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक जबरदस्त जर्नी रहा, जिसने मुझे इमोशनली और मेंटली उन हिस्सों में पहुंचाया जहाँ मैं पहले कभी नहीं गई थी। कई बार तेज़ रफ्तार वाला थ्रिल था, कई बार गहरे सोचने का मौका मिला और कई बार ऐसे इमोशन्स से भिड़ना पड़ा जो बहुत रॉ और अनकंफ़र्टेबल थे। मुझे पूरा यक़ीन है कि ऑडियंस उसकी अनप्रिडिक्टेबल नेचर और उस डार्क, थ्रिलिंग वर्ल्ड से जुड़ जाएगी।

ये सिर्फ एक शो नहीं है, ये एक इमोशनल रोलरकोस्टर है जो शुरू से लेकर अंत तक दर्शकों को बांधे रखेगा। रहस्य, इमोशन और थोड़ा सा हॉरर का जबरदस्त मेल लेकर 'आमी डाकिनी' दर्शकों के लिए एक शानदार विज़ुअल और इमोशनल जर्नी बनने जा रहा है। 'आमी डाकिनी' 23 जून से, हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8 बजे सिर्फ़ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

श्रुति हासन में 'टैलेंट पिता से, लेकिन पहचान खुद के दम पर बनाई'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अर्जन बाजवा ने वेब सीरीज 'बेस्टसेलर' में एक्ट्रेस श्रुति हासन के साथ काम करने के अपने अनुभव को आईएएनएस से साझा किया। उन्होंने श्रुति की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने दम पर कामयाबी हासिल की है। अर्जन बाजवा ने कहा कि श्रुति ने खुद के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कई भाषाओं में काम किया और साथ ही अपना म्यूजिक टैलेंट भी दिखाया है। उनकी कामयाबी उनकी अपनी मेहनत की वजह से है। आईएएनएस से बात करते हुए अर्जन ने आगे ने कहा, ''श्रुति हासन के साथ काम करना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। वह बहुत टैलेंटेड हैं, कई भाषाएं बोल लेती हैं और तेलुगू, तमिल, हिंदी और इंग्लिश फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह एक बेहतरीन सिंगर भी हैं। हमारे बीच अच्छी दोस्ती हो गई है।''

उन्होंने कहा, ''श्रुति को अपने पिता कमल हासन से टैलेंट मिला है, लेकिन उन्होंने अपनी पहचान खुद के दम पर बनाई है। इसके अलावा, उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत अच्छा है।'' बता दें कि अर्जन बाजवा ने श्रुति हासन के साथ 2022 में रिलीज हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज 'बेस्टसेलर' में काम किया था। यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। इस सीरीज में मिथुन चक्रवर्ती, गौहर खान, सत्यजीत दुबे और सोनाली कुलकर्णी भी अहम किरदार में हैं। अर्जन बाजवा ने दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के लिए भी अपना सम्मान जाहिर किया। उन्होंने कहा कि मिथुन बहुत सरल और विनम्र स्वभाव के हैं और हमेशा अपने काम को पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। अर्जन बाजवा ने कहा, मिथुन दा एक जबरदस्त अभिनेता हैं। मुझे उनकी सबसे अच्छी बात उनकी विनम्रता लगती है, जो उन्होंने कई सालों तक फिल्म इंडस्ट्री में रहने के बाद भी बनाए रखी है। वह हर नए प्रोजेक्ट में उतनी ही ऊर्जा और उत्साह लेकर आते हैं, जैसे कोई नया कलाकार आता है। यह हमारे लिए सीखने वाली बात है, उनका जुनून और मेहनत सच में प्रेरणादायक है।

27 को रिलीज होगी ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ1- द मूवी'

मुंबई/एजेन्सी

ऑस्कर विजेता अभिनेता ब्रैड पिट की फिल्म 'एफ1- द मूवी', भारत में 27 जून को रिलीज होगी। एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स और टॉप गन: मैवरिक की टीम लेकर आ रही है एक्शन और रोमांच से भरपूर फीचर फिल्म 'एफ1- द मूवी', जिसमें ऑस्कर विजेता ब्रैड पिट मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन जोसेफ कोसिंस्की ने किया है। वहीं, फिल्म को जेरी ब्रुकहाइमर, कोसिंस्की, सात बार के फॉर्मूला 1 वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन, ब्रैड पिट, डीडी गार्डनर, जेरेमी क्लेनर और चैड ओमान ने निर्मित किया है। इस शानदार टीम में जब लुईस हैमिल्टन जैसे अनुभवी रेसर निर्माता के तौर पर जुड़े और माहिर लेखक एरेन क्रूगर ने स्क्रीनप्ले की कमान संभाली, तो मेकर्स ने लीड रोल- सॉनी हेज़ के लिए जिस पहले नाम को चुना, वे थे- ब्रैड पिट। निर्देशक कोसिंस्की ने बताया, ब्रैड पिट ने इस भूमिका में वह सब कुछ दिया, जिसकी हमें जरूरत थी। उन्होंने अपने अभिनय से फिल्म को एक नई ऊर्जा दी है।

जोसेफ कोसिंस्की ने कहा , ब्रैड एक आइकॉन हैं, और मैं चाहता था कि सॉनी हेज़ भी वैसे ही आइकॉनिक लगे। वैसे तो यह किरदार ब्रैड के लिए ही लिखा गया था, लेकिन उन्होंने उसे और भी ऊँचाई पर पहुँचा दिया। उन्हें इस किरदार यानि सॉनी हेज़ से क्या चाहिए था, इसकी समझ उनमें बहुत स्पष्ट थी। वे न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक शानदार निर्माता भी हैं। वे स्क्रिप्ट से लेकर फिल्म के हर पहलू में शामिल रहे। और सबसे खास बात, वे स्वाभाविक रूप से एक जबरदस्त ड्राइवर हैं, जिन्हें रेसिंग से सच में प्यार है। यदि उनमें ये सभी खूबियाँ न होतीं, तो शायद यह फिल्म बन ही नहीं पाती। एफ1-*द मूवी में ब्रैड पिट* के साथ डैमसन इद्रिस, केरी कॉन्डन, टोबायस मेंज़ीज़, किम बॉडनिया और जेवियर बार्डेम जैसे शानदार कलाकार भी हैं।

इस फिल्म की शूटिंग असली ग्रैंड प्री वीकेंड्स के दौरान हुई, जब पूरी टीम असली रेसिंग ट्रैक्स पर प्रोफेशनल टीम्स के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी। एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स और वॉर्नर ब्रदर्स पिक्चर्स प्रस्तुत कर रहे हैं मोनोलिथ पिक्चर्स / जेरी ब्रुकहाइमर / प्लान बी एंटरटेनमेंट / डॉन अपोलो फिल्म्स प्रोडक्शन- जोसेफ कोसिंस्की निर्देशित फिल्म 'एफ1 द मूवी', जो दुनियाभर में वॉर्नर ब्रदर्स पिक्चर्स द्वारा वितरित की जाएगी। भारत में यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमा और आईमैक्स में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा चेतना सेवा केंद्र में आठ दिवसीय आवासीय प्रेक्षाध्यान साधना शिविर साध्वीश्री संयमलता जी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

चेतना केंद्र में आयोजित अष्ट दिवसीय प्रेक्षाध्यान साधना शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा चेतना सेवा केंद्र में आठ दिवसीय आवासीय प्रेक्षाध्यान साधना शिविर साध्वीश्री संयमलता जी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। समापन के अवसर पर सभी शिविरार्थियों ने सामूहिक रूप से प्रेक्षा गीत का संगान किया।

शिविर में 60 प्रतिभागियों को साध्वीश्री संयमलताजी, मार्दवयशाजी, मनीषाश्रीजी, रौनकप्रभा जी तथा प्रेक्षा प्रशिक्षक दक्षिण संयोजिका वीणा बैद ने प्रशिक्षण दिया। योगाभ्यास, आसन और प्राणायाम के प्रयोग प्रेक्षा प्रशिक्षक विनोद राठौड़ एवं ध्यान का प्रयोग छतरसिंह मालू ने करवाया।

समापन के अवसर पर साध्वी श्री संयमलता जी ने कहा कि शिविर के दौरान इन आठ दिनों मे आपने जो कुछ भी सीखा है उसे यहाँ छोड़कर नहीं अपने साथ लेकर जाएं तथा जो प्रयोग करवाए गए हैं उनको निरन्तर अभ्यास द्वारा अपने जीवन में उतारें।

वीणा बैद ने सभी का शिविर की सफलता में पूरी टीम के सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए प्रेक्षा फाउंडेशन की गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर उपस्थित मुमुक्षु मनोज कुमार संकलेचा का प्रेक्षा फाउंडेशन टीम द्वारा सम्मान किया गया। सभी शिविरार्थियो को प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा प्रमाणित सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। चेतना केंद्र के उपाध्यक्ष मदनलाल बरमेचा तथा मंत्री लादुलाल बाबेल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्र सिंह मालू ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का 22 जुलाई को विशाल ट्रेड फेयर का आयोजन होने वाला है जिसमें अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए पदाधिकारियों ने राज्य के कपड़ा मंत्री शिवानंद एस. पाटिल को आमंत्रित किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, सचिव रविन्द्र बंबोली, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान ने मंत्री पाटिल से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात कर उन्हें ट्रेड फेयर में शामिल होने का न्यौता दिया।

मारुति मेडिकल्स में रक्तदान शिविर कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विजयनगर स्थित मारुति मेडिकल्स द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में रविवार को 'ऑपरेशन सिंदूर विजय उत्सव रक्तदान शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को सुबह से शुरू होने वाले इस शिविर में बेंगलूरु के विभिन्न रक्तदान संस्थाएं सेवा देंगी। महेंद्र मुणोत ने लोगों से आह्वान किया कि सैनिकों के सम्मान में उनके शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए ज्यादा से ज्यादा संख्या में रक्तदान करें।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने कोलार के पास विहार कर रहीं साध्वी डॉ. प्रियश्रद्धांजना जी के दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, मंत्री विकाश खटोड़, विहार संयोजक नीलेश मेहता, उपयंसयोजक विनोद बाफना, कैलाश संखलेचा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि साध्वीश्री का चातुर्मास 5 जुलाई को तिरुपुर में होगा।

धम्म जागरण आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा आगामी 6 जुलाई को तेरापंथ धर्मसंघ के आद्य प्रवर्तक आचार्यश्री भिक्षु के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष तथा तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड के क्राउन सभागार में धम्म जागरण 'हे प्रभो! यह तेरापंथ महान' का आयोजन किया जा रहा है। तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, संयोजक टीम से नवनीत मुथा, दिनेश छाजेड़ ने गुरुवार को कार्यक्रम के प्रायोजक एवं राजनेता निर्मल कुमार सुराणा से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आमंत्रित किया।

बिलावास के कृष्ण भगवान मंदिर की प्रतिष्ठा की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बिलावास गौशाला सेवा समिति की एक विशेष बैठक बलेपेट स्थित आई माता बडेर में हुई जिसमें राजस्थान बिलावास में होने वाली कृष्ण भगवान मंदिर की प्रतिष्ठा के संबंध में भोजन, टेंट, अभिनंदन, आवास-निवास सहित अन्य समितियों का गठन किया गया। बैठक में प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त 2% जून को आयोजित भक्ति संध्या में भगवान विराजमान करने के बोलियां बोलने का निर्णय किया गया। भक्ति संध्या में भजन गायक गजेंद्र राव, लोकगीत कलाकार अर्चना भार्गव एवं कैलाश पंवार अपनी प्रस्तुति देंगे। बैठक में अनेक सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए। अध्यक्ष संघवी इंदरचंद बोहरा ने सबका स्वागत किया। सहसचिव लक्ष्मण आगलेचा ने प्रतिष्ठा संबंधित कार्यों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष अमराराम चोयल ने विभिन्न बोलियों (चढ़ावों) की जानकारी प्रदान की। सचिव नरेंद्र आच्छा ने संचालन करते हुए गौशाला की रिपोर्ट पेश की।

आचार्यश्री उदयप्रभसूरी की निश्रा में अठारह अभिषेक महोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में महावीर जिनालय में पहली बार अठारह अभिषेक महोत्सव का आयोजन किया गया। शुक्रवार को सुबह महावीर जिनालय में आचार्य व साधु साध्वियों का सामैया निकाला गया। इस अवसर पर महावीर जिनालय में मुख्य लाभार्थी चम्पाबाई गुलाबचंद वसंतभाई परिवार, ट्रस्ट के अनेक ट्रस्टी परिवारों एवं श्रद्धालु गुरुभक्त उपस्थित थे।

इस मौके पर विशेष रूप से विश्व हिन्दू परिषद के प्रवीण तोगड़िया भी उपस्थित थे जिन्होंने गुरु दर्शन कर आशीर्वाद लिया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने तोगड़िया को ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी दी और उनका सम्मान किया। इस कार्यक्रम में जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, मुख्य सचिव प्रवीण दांतेवाड़िया, उपाध्यक्ष वसंत राठौड़, कोषाध्यक्ष पारस जैन, सचिव घेवरचंद जैन सहित अनेक ट्रस्टी, आदिश्वर अपार्टमेंट संघ के अध्यक्ष रमेश जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, उपाध्यक्ष भोजराज जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

विधायक ने महिला मंडल विजयनगर द्वारा निर्मित कन्या सुरक्षा स्तंभ का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कन्या सुरक्षा अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा स्थानीय सुभाषचंद्र बोस पार्क में कन्या सुरक्षा स्तंभ का निर्माण किया गया जिसका उद्घाटन गुरुवार को विजयनगर के विधायक कृष्णप्पा द्वारा किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। विधायक कृष्णप्पा ने कहा कि कन्याओं को गर्भ में ही मार दिया जाता है, जबकि नारी नहीं तो सृष्टि नहीं। नारी को कम नहीं समझना चाहिए।

एक नारी ही सब कुछ कर सकती है। विधायक ने कहा कि कार्य ऐसा करें जिससे जीवन सफल हो जाए और ऐसा ही कार्य महिला मंडल कर रही है। इस मौके पर अभातेममं की तेलंगाना प्रभारी वीणा बैद, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, महासभा के दक्षिणांचल प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, अभातेयुप परामर्शक दिनेश पोकरणा सहित विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। अतिथियों व सहयोगियों का सम्मान किया गया। संयोजिका उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया ने संयोजन किया तथा मेघना हिरण ने संचालन किया। मंत्री दीपिका गोखरू ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

बेंगलूरु के मानव सेवा समिति के सदस्यों ने जून माह में टुमकूर, कोरटेगेरे, राजाजीनगर के आसपास के लगभग 15 सरकारी स्कूलों के 1500 जरूरतमंद बच्चों को 5 हजार अभ्यास पुस्तिकाएं व अन्य स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया। इस आयोजन में संबंधित स्कूलों के प्राचार्यों ने सहयोग दिया।

इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन ने निर्यात बढ़ाने हेतु ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूर/दक्षिण भारत। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने राष्ट्रीय ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी से मुलाकात कर उन्हें देश में ही वस्तुओं का निर्माण कर भारत से निर्यात बढ़ाने हेतु व्यापारियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से सुविधाएं प्रदान करने हेतु ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के अनेक सदस्य भारत से निर्यात करने के इच्छुक हैं। भारत सरकार द्वारा समय समय पर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लिए विभिन्न योजनाओं की घोषणाएं करती है, इसकी जानकारी हमें नहीं मिलती है और कई उद्योगों में तकनीक की कमी के कारण सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए सरकार से निवेदन है कि जानकारी के साथ सहयोग का हाथ भी बढ़ाए। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उपाध्यक्ष मदनलाल धोका, ललित डाकलिया, उदेश राजपुरोहित आदि सदस्यों ने सिंघी का सम्मान किया।

राजाजीनगर तेरापंथ भवन में दीक्षार्थी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में मुमुक्षु मनोज संकलेचा का सम्मान किया गया।

इस मौके पर मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा, वीतरागता के मार्ग पर बढ़ाने का प्रथम सोपान है संयम स्वीकार करना। संयम के भाव तभी फलवान होते हैं जब व्यक्ति दृढ़ संकल्पी बनता है। संयम का भाव हमेशा पूज्य व आदरणीय होता है। बिना वैराग्य भाव के दीक्षा नहीं ली जा सकती। आदित्य मुनि जी ने दीक्षार्थी के प्रति मंगल भावना व्यक्त की। सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने स्वागत किया।

महिला मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, उपासिका संगीता तातेड़, भावना बाफना, सिवांची मालानी संघ के रमेश सालेचा, गांधीनगर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, उषा तातेड़, बहादुर सेठिया ने काव्य के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा द्वारा दीक्षार्थी को अभिनंदन पत्र भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर जुगराज श्रीश्रीमाल, मानकचंद मुथा, सभा के उपाध्यक्ष विमल पितलिया, परामर्शक उत्तम गन्ना, कोषाध्यक्ष हंसराज चौधरी सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

समाज को बांटने की नहीं, जोड़ने की कोशिशें करनी चाहिएं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट । स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को जैन धर्मशाला में आयोजित अपने प्रवचन में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य के जीवन पर धर्म और परंपराओं के बेहद उपकार हैं। कोई भी समझदार व्यक्ति उन्हें नकार नहीं सकता। आज हम सिर्फ अपनी इच्छाशक्ति और परिवार की बदौलत ही उजले नहीं हैं, हमारी सफलता, श्रेष्ठता, शाकाहारी जीवनशैली और सुसंस्कारों की विरासत में धर्म तथा परंपरा का सर्वाधिक योगदान हैं, इसलिए धर्म और परंपराओं को कोसना छोड़ना होगा। इतिहास को पढ़ने और उसकी शिक्षाओं को ग्रहण करने की मनोवृत्ति बनानी होगी। जीवन में चमत्कार या परिवर्तन रातोंरात नहीं हो जाते। धर्म और समाज की उज्ज्वल परंपराओं को जीवंत रखने और भलीभांति आगे बढ़ने में कई-कई पीढ़ियों का बलिदान लग जाता है, तब उज्ज्वल परिवार और श्रेष्ठ समाज नसीब होते हैं।

जैनाचार्य ने आगे कहा कि भ्रष्टताएं सीखनी नहीं पड़ती, सदाचार और संस्कार सीखने पड़ते हैं। एक परिवार को पचास वर्ष तक चलाना भी सरल नहीं होता तो धर्म और परंपराओं को सदियों-सदियों तक उज्ज्वलता के साथ गतिशील रखना थोड़ा भी सरल नहीं, अत्यंत कठिन है। इसलिए बलिदान देने की इच्छाशक्ति जगानी चाहिए। समाज को बांटने की नहीं, जोड़ने की कोशिशें करनी चाहिएं।

गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि शनिवार को सभी जाति-वर्गों की सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया है जिसमें मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी समाज के साथ साथ राजपूत, राजपुरोहित, माहेश्वरी, आंजना पटेल, ब्राह्मण, गुजराती पटेल, चौधरी, माली, घांची, सोनी, सुथार, खंडेलवाल, दर्जी आदि अनेक समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com